हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 127, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 5 नवम्बर, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

पैसा पकड़े जाने के बाद बौखला गए सीएम, पाई-पाई का होगा हिसाब : मोदी

'एक ही बात बोलते हैं 30 टका कक्का, आपका काम पक्का'

दुर्ग, छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अब अंतिम दौर में चल रहा है। प्रचार थमने से पहले राजनीतिक दल धुआंधार प्रचार में जुटे हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुर्ग पहुंचे। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि दो दिन पहले बहुत बड़ी रेड पड़ी है। कांग्रेस के नेता लूट के पैसे से अपना घर भर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने जनता का भरोसा तोड़ा है। पीएम मोदी ने कहा कि इन्होंने तो महादेव के नाम को भी नहीं छोड़ा। पीएम मोदी ने कहा कि दो हजार करोड़ रुपये का शराब घोटाला, 500 करोड़ रुपये का सीमेंट घोटाला, पांच हजार करोड़ रुपये का चावल घोटाला, 1,300 करोड़ रुपये का गौठान घोटाला, 700 करोड़ रुपये का DMF घोटाला। छत्तीसगढ़ को लूटने का कांग्रेस ने कोई भी मौका नहीं छोड़ा है। लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद ऐसे घोटालों की सख्ती से जांच की जाएगी, आपका पैसा लूटने वालों को जेल भेजा जाएगा। प्रधानमंत्री

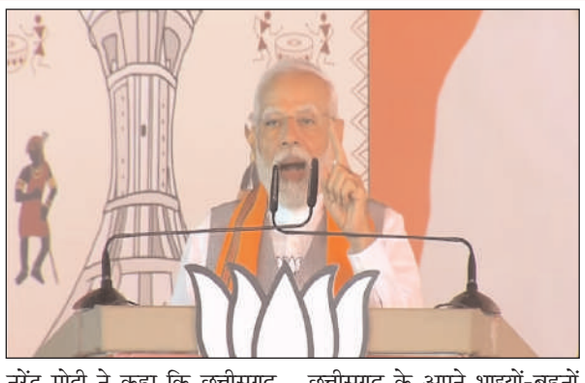

नरेंद्र मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भ्रष्ट सरकार ने एक के बाद एक घोटाले करके आपका विश्वास तोड़ा है। PSC और महादेव एप घोटाला तो चर्चा में है ही, कांग्रेस सरकार के रिपोर्ट कार्ड में घोटालों की कमी नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि जिन्होंने छत्तीसगढ़ के गरीब को लूटा है, उस पर कार्रवाई होकर रहेगी। उससे पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोदी को तो ये कांग्रेसी दिन-रात गालियां देते हैं। लेकिन यहां के मुख्यमंत्री अब देश के सुरक्षा बलों और जांच एजेंसियों को भी गाली देने लगे हैं। मैं छत्तीसगढ़ के अपने भाइयों-बहनों से कहूंगा कि ये मोदी है, गालियों से डरता नहीं है। भ्रष्टाचारियों का हिसाब करने के लिए ही तो आपने मोदी को दिल्ली भेजा है। पीएम मोदी ने कहा कि यहां की सरकार और मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ की जनता से बताना चाहिए कि दुबई में बैठे इस घोटाले के आरोपियों के साथ उनके क्या संबंध है। आखिर ये पैसा पकड़े जाने के बाद यहां के मुख्यमंत्री क्यों बौखला गए हैं। दुर्ग में पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की दो दिन पहले ही रायपुर में बहुत बड़ी कार्रवाई हुई है, रुपयों का बहुत बड़ा ढेर मिला है। लोग कह रहे हैं कि ये पैसा सट्टेबाजों का है, जुए का खेल खेलने वालों का है, जो उन्होंने छत्तीसगढ़ के गरीबों और नौजवानों को लूट कर जमा किया है। लूट के इसी पैसे से कांग्रेस के नेता अपना घर भर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आप यहां सरकारी दफ्तरों में जाते हैं, तो एक ही बात बोलते हैं 30 टका कक्का, आपका काम पक्का। कांग्रेस के हर घोषणा में 30 टके का खेल पक्का है। इस सरकार से छत्तीसगढ़ छुटकारा चाहता है। इसलिए छत्तीसगढ़ कह रहा है- अऊ नहीं सहिबो, बदल के रहिबो।

'भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड है कि जो कहते हैं वो करते हैं'- पीएम मोदी ने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ भाजपा की पूरी टीम को बधाई दूंगा कि उन्होंने आपके सपनों को सच बनाने वाला संकल्प पत्र कल ही जारी किया है। इस संकल्प पत्र में छत्तीसगढ़ की माताएं-बहनें, यहां के युवा और यहां के किसानों को सबसे बड़ी प्राथमिकता दी गई है। भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड है कि हम जो कहते हैं, वो करके रहते हैं।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्र को 15 साल की सजा और एक लाख का जुर्माना

भदोही। ज्ञानपुर के पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्र को सामूहिक दुष्कर्म मामले में 15 साल की सजा हो गई है। इसके अलावा एक लाख का जुमार्ना भी लगाया गया है। बता दें कि शुक्रवार को एमपीएमएलए कोर्ट ने विजय मिश्र को दोषी करार दिया था। वहीं पूर्व विधायक के बेटे विष्णु मिश्र और नाती ज्योति उर्फ विकास मिश्र साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त हो गए थे। फैसले के बाद न्यायालय में सुरक्षा बढ़ा दी गई और डॉग स्क्वायड, क्राइम ब्रांच संग थाने की पुलिस तैनात की गई है। रिश्तेदार की संपति हड़पने के मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्र समेत कुनबे के छह सदस्यों पर जुलाई 2020 में मुकदमा दर्ज किया गया था। उसके बाद मध्य प्रदेश के आगर से उन्हें गिरफ्तार किया। पूर्व विधायक की गिरफ्तारी के बाद वाराणसी की एक गायिका ने पूर्व विधायक, बेटे विष्णु मिश्र, नाती विकास मिश्र के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया। जिसमें करीब तीन साल से कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। एक सप्ताह पूर्व सुनवाई पूर्ण होने पर तीन नवंबर को सजा के फैसले की सुनवाई की तिथि तय की गई थी। शुक्रवार को सजा को लेकर कोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।

नेपाल में भूकंप से भीषण तबाही, राहत बचाव कार्य में भी आ रही मुश्किलें, अब तक 140 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल में रात को आए भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। यह भूकंप आठ साल में आया सबसे भीषण भूकंप है, जिसमें अब तक 140 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। भूकंप के बाद राहत और बचाव कर्मियों ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, यह भूकंप शुक्रवार रात 11 बजकर 47 मिनट पर आया है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.4 मापी गई। वहीं, जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियो साइसेंज ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 5.7 थी, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षम के अनुसार भूकंप की तीव्रता 5..6 थी। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अधिकारियों ने आशंका व्यक्त की है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। जाजरकोट जिले के अधिकारी हरीश चंद्र शर्मा के मुताबिक, घायलों की संख्या सैकड़ों में हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप की तीव्रता गंभीर नहीं थी, लेकिन क्षेत्र में निर्माण की खराब गुणवत्ता के कारण नुकसान और मरने वालों की संख्या अधिक होने की संभावना है। भूकंप आने के समय लोग सो रहे थे। उन्होंने बताया कि बचाव कार्य धीमा होने की आशंका है, क्योंकि आपातकालीन टीमों को कई स्थानों पर भूस्खलन से अवरुद्ध हुई सड़कों को साफ करना होगा। इससे पहले, 2015 में आए दो भूकंपों में करीब नौ हजार लोग मारे गए थे। पूरा कस्बा, सदियों पुराना मंदिर और अन्य ऐतिहासिक स्थल तब मलबे में तब्दील हो गए थे। इसके साथ ही, 10 लाख से अधिक घर तबाह हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि करनाली प्रांत के जाजरकोट में 99 लोग मारे गए, जबकि 55 लोग घायल हुए। वहीं, रुकुम पश्चिम जिले में 38 लोग मारे गए, जबकि 85 लोग घायल हुए। भूकंप का केंद्र रमीडांडा गांव में था। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से जाजरकोट में तीन कस्बे और तीन गांव बुरी तरह प्रभावित हुए, जिनकी आबादी एक लाख 90 हजार है। भूकंप के झटके लगभग 600 किमी दूर नई दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में महसूस किए गए, जिससे इमारतें हिल गईं और लोगों को सड़क पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में किसी तरह का नुकसान होने की खबर नहीं आई है।

पीएम मोदी ने व्यक्त किया शोक- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह नेपाल में भूकंप से हुए जानमाल की हानि और क्षति से काफी दुखी हैं। भारत नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। हमारी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ है।

इस्तेमाल नहीं होने पर 90 दिन में निष्क्रय हो जाता है मोबाइल नंबर, ट्राई ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

नई दिल्ली। अगर किसी मोबाइल नंबर का इस्तेमाल नहीं होता है तो वह 90 दिनों के बाद निष्क्रिय हो जाता है। दूसरी ओर, व्हाट्सएप पुराने डाटा को तब हटा देता है यदि किसी मोबाइल नंबर का अकाउंट 45 दिनों तक निष्क्रिय रहने के बाद किसी अन्य डिवाइस पर सक्रिय होता है। यह जानकारियां भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने एक केस की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट को हलफनामा के जरिये दी हैं। ट्राई की जानकारियों पर गौर करने के बाद जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने तमिलनाडु की एक वकील राजेश्वरी द्वारा दायर रिट याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। याचिकाकर्ता ने उपयोग न करने के कारण एक विशेष नंबर के निष्क्रिय होने के बाद व्हाट्सएप डाटा के दुरुपयोग पर सवाल उठाया था। उन्होंने ट्राई को इस्तेमाल किए गए या निष्क्रिय हो चुके मोबाइल नंबरों को नए ग्राहकों को दोबारा इस्तेमाल करने से रोकने का निर्देश देने की मांग की थी। अदालत ने कहा-ट्राई द्वारा दायर जवाबी हलफनामे से यह स्पष्ट है कि गैर-

उपयोग के कारण निष्क्रिय या ग्राहक के अनुरोध पर डिस्कनेक्ट किया गया सेलुलर मोबाइल नंबर, कम से कम 90 दिनों की अवधि तक नए ग्राहक को आवंटित नहीं किया जाता है। दूरसंचार नियामक ने कहा कि यह पहले के ग्राहकों पर निर्भर है कि वे गोपनीयता बनाए रखने के लिए पर्याप्त कदम उठाएं। ग्राहक पिछले फोन नंबर से जुड़े व्हाट्सएप अकाउंट के डाटा को मिटाकर या उसे दूसरे डिवाइस आदि में शिफ्ट कर व्हाट्सएप डाटा के दुरुपयोग को रोक सकते हैं। पीठ ने ट्राई के इस तर्क को भी नोट किया कि व्हाट्सएप सहायता केंद्र पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, री-साइकिल किए गए फोन नंबरों के मामले में भ्रम को खत्म करने के लिए, वे खाते की निष्क्रियता की निगरानी करते हैं और जब कोई अकाउंट 45 दिनों तक निष्क्रिय रहता है और फिर अलग मोबाइल डिवाइस में सक्रिय हो जाता है तो पुराने अकाउंट डाटा हटा दिया जाता है। दूरसंचार विभाग के निदेर्शों के अनुसार, एक मोबाइल नंबर, जब सरेंडर किया जाता है या स्थायी रूप से डिस्कनेक्ट हो जाता है तो उपयोग न करने के 90 दिन पूरे होने के बाद नए ग्राहक को फिर से आवंटित किया जा सकता है।

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश को सालों तक अंधेरे में रखा अमित शाह ने शिवपुरी में जमकर साधा निशाना

शिवपुरी/भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज शिवपुरी में हैं। यहां उन्होंने शनिवार को एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप वोट डालते समय इस बात का ध्यान रखिए कि डबल इंजन सरकार बदलाव किया है। गृह मंत्री ने कहा, " वोट डालते समय यह मत सोचिए कि आप विधायक, सीएम चुनने या बीजेपी को सत्ता में लाने के लिए वोट कर रहे हैं, लेकिन वोट डालते समय यह ध्यान रखें कि डबल इंजन सरकार ने बदलाव किया है।" उन्होंने कहा, "मध्य प्रदेश 'बीमारू राज्य' से बना 'बेमिसाल राज्य'...आपका एक वोट यह सुनिश्चित करेगा कि अगले 5 साल में यहां किसकी सरकार होगी। एक तरफ कांग्रेस है, जिसने कई सालों तक मध्य प्रदेश को अंधेरे में रखा, इसे 'बीमारू' राज्य बनाए रखा। दूसरी तरफ भाजपा सरकार है, जिसने 18 वर्षों में

उसके विपरीत विकास करने का काम किया। मैं आज यहां से कमलनाथ को कहने आया हूं कि जरा भी हिम्मत है, तो मेरी बातों का जवाब देना। आप जब 2002 में मध्य प्रदेश छोड़कर गए तब प्रदेश का बजट 23 हजार करोड़ रुपये था, लेकिन आज भाजपा की सरकार में प्रदेश का बजट 3 लाख 14 हजार करोड़ है।

किसानों, दलितों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं, आदिवासियों और युवाओं के कल्याण के लिए काम किया है..." अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, "मध्य प्रदेश में कांग्रेस को जब-जब मौका मिला। उसने अपना घर भरने का काम किया और भाजपा ने

मुकेश अंबानी को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गिरफ्तार, तेलंगाना से पकड़ा गया

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को कथित तौर पर कई धमकी भरे ईमेल भेजने के आरोप में एक आरोपी को तेलंगाना से गिरफ्तार किया गया है। गामदेवी पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान गणेश रमेश वनपारधी के रूप में हुई है। शनिवार को मामले में उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से अदालत ने उसे 8 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुकेश अंबानी को शनिवार (4 नवंबर) को भी जान से मारने की धमकी मिली थी।

आरोपी ने 400 करोड़ रुपये फिरौती देने की मांग की थी। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने 31 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच भेजे दो धमकी भरे ईमेल को नजरअंदाज करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। पुलिस के अनुसार, अंबानी को धमकी भरे ईमेल भेजने वाले ने खुद को शादाब खान बताया है। इससे पहले अंबानी को ईमेल के

जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसमें 20 करोड़ रुपये न देने पर गोली मारने की बात कही गई थी। आरोपी ने हर बार नया ईमेल भेजे जाने पर फिरौती की रकम बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये से 400 करोड़ रुपये कर दी। मुंबई पुलिस ने कहा कि इस तरह का पहला धमकी भरा मेल 28 अक्टूबर को भेजा गया था। ईमेल मिलने के बाद मुकेश अंबानी के सुरक्षा प्रभारी की शिकायत के आधार पर मुंबई की गामदेवी पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धारा 387 (जबरन वसूली करने के लिए किसी व्यक्ति को जान से मारने की धमकी देना) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पिछले साल, मुंबई पुलिस ने अंबानी और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देने वाले कॉल करने के आरोप में बिहार के दरभंगा से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। आरोपी ने मुंबई के सर एच एन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी थी।

'विधायिका कोर्ट के फैसले को खारिज नहीं कर सकती, बल्कि खामी को दूर...', बोले प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि विधायिका अदालत के फैसले में खामी को दूर करने के लिए नया कानून लागू कर सकती है, लेकिन उसे सीधे खारिज नहीं कर सकती है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने एक कार्यक्रम में कहा कि न्यायाधीश इस बात पर ध्यान नहीं देते हैं कि जब वे मुकदमों का फैसला करेंगे तो समाज क्या कहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की निर्वाचित शाखा तथा न्यायपालिका में यही फर्क है। उन्होंने कहा, इसकी एक सीमा है कि अदालत का फैसला आने पर विधायिका क्या कर सकती है और क्या नहीं कर सकती है। अगर किसी विशेष मुद्दे पर फैसला दिया जाता है और इसमें कानून में खामी का जिक्र किया जाता है तो विधायिका उस खामी को दूर करने के लिए नया कानून लागू कर सकती है। सीजेआई ने कहा, विधायिका यह नहीं कह सकती कि हमें लगता है कि फैसला गलत है और इसलिए हम फैसले को खारिज करते हैं।

विधायिका किसी भी अदालत के फैसले को सीधे खारिज नहीं कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायाधीश मुकदमों का फैसला करते समय संवैधानिक नैतिकता को ध्यान में रखते हैं, न कि सामाजिक नैतिकता को। इस साल कम से कम 72 हजार मुकदमों का समाधान किया है और अभी डेढ़ महीना बाकी है। न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायपालिका में प्रवेश स्तर पर संरचनात्मक बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि यदि समान अवसर उपलब्ध होंगे तो अधिक महिलाएं न्यायपालिका में आएंगी। इसके अलावा कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को विश्व कप के लिए शुभकामनाएं दीं।

सीएम ने सुनी फरियाद, बोले- कब्जामुक्त कराएंगे जमीन, आवास भी बनवाएंगे

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान जमीन कब्जा किए जाने से जुड़ी शिकायतों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जाने वाले दबंगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। ऐसी ही एक शिकायत लेकर पहुंची महिला को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि उनकी जमीन को कब्जामुक्त कराने के साथ ही आवास भी बनवाया जाएगा। शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में जुटे करीब 300 लोगों से मिले। उन्होंने मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद जाकर उनकी समस्याएं सुनीं और पास में मौजूद अधिकारियों को समस्या निस्तारण के लिए त्वरित

कार्यवाही का निर्देश दिया। उन्होंने सभी लोगों को भरोसा दिया कि सबकी समस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा। जिन्हें आवास की समस्या है उन्हें सरकारी योजना से आवास दिलाया जाएगा। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। भू माफिया के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। जनता दर्शन में एक महिला ने मुख्यमंत्री को बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक न होने से उसके पास पक्का आवास नहीं है, साथ ही जमीन पर दबंग ने कब्जा कर लिया है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द से जल्द जमीन कब्जा से मुक्त कराकर महिला को वापस दिलाने का आदेश दिया। सीएम योगी ने महिला से कहा, परेशान मत हों। जमीन खाली कराकर वापस तो दिलाएंगे ही, उस पर प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास योजना से पक्का आवास भी बनवाएंगे। जमीन पर कब्जा संबंधी सभी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दबंगों व भू माफिया को करारा कानूनी सबक सिखाकर जमीनों को कब्जे से मुक्त कराएं। हर बार की तरह शनिवार को भी कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि इलाज में मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद मिलेगी। इसे लेकर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित की इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन में भेजें। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को उन्होंने दुलारा और आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

प्रदूषण के टूटे सारे रिकॉर्ड, खतरनाक स्तर से 100 गुणा ज्यादा 'जहरीली हुई हवा'

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों वायु प्रदूषण का स्तर काफी तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। पिछले सात दिनों में यहां की वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) में तेजी से गिरावट आई है। शनिवार को दिल्ली के ज्यादातर इलाकों का एक्यूआई 'बहुत खराब स्तर' में 400 के पार दर्ज किया गया है। इस तरह की वायु गुणवत्ता को सेहत के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले 15-20 दिनों तक यहां इसी तरह की स्थिति बनी रह सकती है, ऐसे में सभी लोगों को अलर्ट रहने और बचाव को लेकर उपाय करते रहने की आवश्यकता है। इस बीच एक रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने दिल्ली में साल-दर-साल बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता जताई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि दिल्ली के कई हिस्सों में एक्यूआई 500 के आंकड़े को छू रही है, ये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से करीब 100 गुना अधिक है। दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य राज्यों में भी प्रदूषण का स्तर पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है, जिसके कारण स्वास्थ्य संबंधी गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर भी आशंका जताई गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दिल्ली पिछले कई वर्षों से दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बनी हुई है, जिसका मतलब है कि लगभग 33 मिलियन लोग (3.3 करोड़) लोगों में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का गंभीर जोखिम बना हुआ है। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा संकलित इस वर्ष के वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक के अनुसार, दिल्ली के लोग जिस खराब गुणवत्ता वाली हवा में सांस लेते हैं, उसके कारण उनका जीवन करीब 11.9 वर्ष कम हो सकता है। साल-दर साल ये खतरा बढ़ता ही जा रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, इस साल अक्तूबर में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 2020 के बाद सबसे खराब स्तर पर था।

संपादकीय

छात्राओं की सुरक्षा को लेकर बीएचयू प्रशासन व पुलिस गंभीर नहीं

वाराणसी के काशी हिंदू विश्वविद्यालय यानी बीएचयू में एक छात्रा से छेड़छाड़ की जैसी घटना सामने आई, उससे एक बार फिर यही साफ हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर सरकार और पुलिस किस स्तर तक लापरवाही बरत रही है। आए दिन राज्य सरकार दावे करती है कि वहां अपराधियों के हौसले पस्त पड़ गए हैं और उत्तर प्रदेश में अब अपराध पर लगाम लग चुकी है। मगर हकीकत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बीएचयू में रात में बाकायदा बाहर से अपराधी तत्त्व न केवल घुसते, बल्कि काफी देर तक छात्राओं से बदसलूकी करते और फरार भी हो जाते हैं। घटना के ब्योरे से पता चलता है कि जो तीन युवक मोटरसाइकिल से परिसर में घुसे, उन्हें रोकने-टोकने या पूछताछ करने वाला कोई नहीं था। उन्होंने अपने एक दोस्त के साथ टहल रही छात्रा को हथियार के बल पर काबू में किया। उसके दोस्त से मारपीट की और छात्रा को अलग ले जाकर उत्पीड़ित किया। छात्रा किसी तरह जान बचा कर एक प्राध्यापक के घर में घुस गई, तब जाकर कहीं उसे मदद मिल सकी। यह स्थिति आम इलाकों के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित माने जाने वाले विश्वविद्यालय परिसर के भीतर की है, जहां अपराधियों ने बेलगाम होकर अपनी हरकत को अंजाम दिया। यह उस उत्तर प्रदेश और वहां किसी सबसे व्यवस्थित और सुरक्षित क्षेत्र के तौर पर प्रचारित परिसर की हालत है, जहां राज्य को अपराध-मुक्त बना देने के प्रचार के बरक्स जमीनी हकीकत कुछ और दिखती है। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में 2017 में इसी तरह की घटना हुई थी, जिसमें एक छात्रा से कुछ मोटरसाइकिल सवारों ने बुरी तरह छेड़छाड़ की थी। उस समय भी घटना के खिलाफ विद्यार्थियों ने व्यापक प्रदर्शन किया था, लेकिन पुलिस ने उन पर लाठियां बरसाई थी। तब भी यह आश्वासन दिया था कि ऐसी वारदात पर लगाम लगाने के लिए सीसीटीवी लगाने से लेकर अन्य सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। ताजा घटना के बाद भी जब विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच व्यापक गुस्सा पैदा हो गया और उन्होंने आरोपियों को गिरफ्तार करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की, तब फिर से वैसे ही आश्वासन दोहराए गए कि सुरक्षा व्यवस्था सख्त की जाएगी। सवाल है कि अपने दावों को लेकर राज्य सरकार कितना गंभीर है कि बुधवार को हुई घटना के बाद भी महज सीसीटीवी लगवाने का आश्वासन अब तक जारी है। पिछले वर्षों में कई घटनाओं के बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल क्यों नहीं हुई? होना यह चाहिए था कि अगर राज्य को अपराध-मुक्त बनाने की सरकार की बात सही है तो आपराधिक तत्त्वों के भीतर पकड़े जाने और सख्त कार्रवाई का खौफ होता और वे अपराध करने से पहले सोचते। मगर जिस तरह परिसर में घुस कर उन्होंने वारदात को अंजाम दिया, उससे यही लगता है कि उनके भीतर कानून का कोई डर नहीं था। इस हकीकत के होते आम जनता कैसे यह मान ले कि राज्य में अपराध पर नकेल कस दी गई है और लोग सुरक्षित हैं? छात्राओं से छेड़छाड़ या यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर रोक लगाने और परिसर में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के लिए आखिर कितनी ऐसी घटनाओं का इंतजार किया जाएगा! जबकि ऐसी किसी पहली घटना के बाद ही सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन को हर स्तर पर ऐसे सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने चाहिए थे, ताकि भविष्य में किसी अन्य छात्रा के साथ वैसा न होने पाए।

लटक रही तलवार?

हो सकते हैं गिरफ्तार ।
लटक रही तलवार ?
है आई आवाज और ।
खबर बार बार
देखना अब होगा ।
है क्या हालचाल ।।
फंस जाएंगे उसमें ?
है फेंका जो जाल ।।
है हलचल चहुंओर ।
चल रही पड़ताल ।।
पर आए ना सामने ।
बड़ा है सवाल ।।
कौन सही कौन गलत ?
पर्दा हटने वाला ।।
सही कितना बोल रहा ।
अपना ये रखवाला ।।

–कृष्णेन्द्र राय

फोन 'हैक' की राजनीति कभी भी सत्ताधारी दल के लिए फायदे का सौदा नहीं रही है

ललित गर्ग

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लगातार आक्रामक होने के मध्य में देश के कुछ प्रमुख विपक्षी नेताओं के आईफोन पर निगरानी किये जाने का मामला एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर रहा है। इसे सरकार प्रायोजित बताकर सरकार को घेरने की कोशिशें भी एकाएक उग्र हो गयी है। एप्पल कम्पनी ने इन फोन धारकों को ईमेल सन्देश भेज कर लिखा है कि आपके फोन को किसी मालवेयर वायरस से सरकार द्वारा सर्वेक्षण में रखा जा रहा है जिसके माध्यम से आपकी सारी गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। मगर इसके साथ ही सरकार ने ऐसी किसी कार्रवाई से इन्कार करते हुए पूरे मामले की सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय की संसदीय समिति से जांच कराने की घोषणा कर दी है और कहा है कि ऐसा ही एक ई-मेल सन्देश वाणिज्य मन्त्री पीयूष गोयल को भी आया है। फोनों पर निगरानी का आरोप सरकार के लिए भी गंभीर चिन्ता का विषय है क्योंकि यह ऐसा मामला है जिसमें सत्ता से बेदखल होने जैसी स्थितियां बनती हैं। जब तक मामले की पूरी जांच नहीं हो जाती, किसी को भी दोषी ठहराना जल्दीबाजी होगी। पक्ष-विपक्षी दल चुनावी माहौल को धुंधलाने या विवादास्पद बनाने की बजाय उसे स्वस्थ बनाने में सहयोग करें, यह स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र की बुनियाद है। किसी की स्वतंत्रता का हनन लोकतंत्र की पवित्रता को ही समाप्त कर देती है।

निश्चित ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की ओर से विपक्षी नेताओं की निजता भंग करने का कोई भी मामला सामने आता है, तो स्वाभाविक ही सरकार को घेरा जाना चाहिए एवं जवाब मांगा जाना चाहिए। लेकिन बिना बुनियाद के ऐसे विवाद खड़े करना उचित नहीं है। अच्छी बात इस मामले में यह है कि सरकार ने इन आरोपों को पूरी गंभीरता से लिया है और तत्परता से निर्णय लेते हुए न केवल पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं बल्कि आईफोन कंपनी से भी जांच में शामिल होने को कहा गया है। सभी पक्षों के लिए जरूरी है कि निष्कर्ष निकालने की जल्दबाजी करने के बजाय मामले की बारीक और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित करने में सहयोग करें। यह न केवल विपक्षी दलों के नेताओं की निजता से जुड़ा मामला है बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा एवं प्रतिबद्धता का भी मामला है। हालांकि यह साफ करना भी जरूरी है कि मौजूदा मामले में अभी बात सिर्फ संदेह की है। आईफोन पर ऐपल की ओर से भेजे गए ये मेसेज ऑटो जेनेरेटेड थे, जिनकी प्रामाणिकता को लेकर कंपनी भी आश्वस्त नहीं है। उसका कहना है कि इनमें से कुछ मेसेज फॉल्स अलार्म के भी हो सकते हैं। इसके बावजूद विपक्षी नेताओं की आशंकाएं निराधार हैं या आधारभूत हैं, यह तो जांच के निष्कर्षों से ही पता लगेगा।

मेसेज विपक्षी दलों के नेताओं और कुछ सत्ता विरोधी माने जाने वाले पत्रकारों के ही फोन पर आने का आरोप निराधार है क्योंकि ऐसा ही मेसेज एक केन्द्रीय मंत्री को भी मिला है। सूचना टैक्नोलॉजी क्रान्ति होने के बाद चीजें काफी बदल चुकी हैं अतः आरोपों का स्वरूप भी बदल चुका है। इससे पहले दो वर्ष पूर्व भी देशवासियों ने पेगासस वायरस का पूरा कर्मकांड देखा है जिसकी जांच सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित एक विशेष समिति ने की थी। इस मामले को लेकर दो साल पहले संसद में भी जमकर हंगामा हुआ था। लेकिन उसमें आरोप सिद्ध नहीं हो पाये थे। ऐसे में जब विपक्षी नेताओं के फोन की हैकिंग का यह नया आरोप लगा है तो उसे पूरी गंभीरता से लेने की जरूरत है। इस मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप से बचते हुए सत्य के उजागर होने तक इंजतार करना चाहिए। सरकार की तरफ से यह भी कहा गया है कि वह पूरे प्रकरण की जांच में एप्पल कम्पनी के उच्च पदाधिकारियों को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है। इस मामले में मूल सवाल निजी स्वतन्त्रता का उठता है जिसे सर्वोच्च न्यायालय नागरिकों का मूल अधिकार मान चुका है। लोकतांत्रिक प्रणाली में सभी को लिखने, बोलने, सोचने और करने की स्वतंत्रता होती है। आईटी मंत्रालय ने कहा है कि केंद्रीय ऑनलाइन सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन (भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम) आईफोन हैकिंग प्रयासों के विपक्ष के दावे की जांच करेगी और वही हैकिंग और फिशिंग जैसे साइबर सुरक्षा खतरों का जवाब देने के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय एजेंसी है। महुआ मोइत्रा, प्रियंका चतुर्वेदी, राघव चड्ढा, शशि थरूर, पवन खेड़ा और सीताराम येचुरी सहित कई विपक्षी नेताओं ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें एप्पल अलर्ट मिला है जिसमें उनके आईफोन में राज्य प्रायोजित हैकिंग की चेतावनी दी गई है। आईफोन निमार्ता एप्पल ने मंगलवार को कहा था कि वह विपक्षी दलों के कुछ सांसदों को भेजे गए चेतावनी संदेश को किसी विशिष्ट सरकार-प्रायोजित सेंधमारों से नहीं जोड़ती और वह इस बारे में जानकारी नहीं दे सकती है कि ऐसी चेतावनियों का कारण क्या है। कारणों का पता तो विस्तृत जांच के बाद ही सामने आयेगा, तब तक पक्ष एवं विपक्ष को शांत रहते हुए विवेक का परिचय देना चाहिए। क्योंकि यह भारत, भारतीय लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के व्यवस्थित संचालन से जुड़ा मामला है। ताजा मामला इसलिये भी बहुत गंभीर है क्योंकि ऐसे मामलों में सत्ताएं बदलती देखी गयी हैं। इसलिये ऐसे मामलों एवं आरोपों में गंभीरता बरतना जरूरी है।

इस तरह के राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों के निजता भंग के कम उदाहरण ही भारत में देखने को मिले हैं लेकिन जब भी किसी सरकार पर इस प्रकार के आरोप लगे तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी है। सबसे बड़ा उदाहरण 80 के दशक का है जब कर्नाटक की वीरप्पा मोइली सरकार टेप कांड में फंस गई थी तो उसे सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। डॉ. मनमोहन सिंह सरकार पर भी फोन टेप करने के आरोप लगे थे। पूरी दुनिया का सबसे सशक्त और उदार लोकतन्त्र माने जाने वाले अमेरिका के वाटर गेट कांड में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने अपनी प्रतिद्वन्द्वी डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्यालय पर जासूसी यन्त्र लगा कर उसकी गतिविधियों को जानने की कोशिश की थी। निक्सन भले ही इस मामले पर लम्बी टालमटोल करते रहे हो मगर भारत सरकार ने तो एप्पल फोन कांड का भंडाफोड़ होते ही इसकी जांच कराने की घोषणा कर दूध का दूध, पानी का पानी करने की अपनी संकल्पबद्धता दर्शा दी है। इस हकीकत को भी हमें ध्यान में रखकर ही इस मामले में और टीका-टिप्पणी करनी होगी।

गीत-नगरी ग्वालियर को यूनेस्को से मिली विश्व मान्यता ने इस शहर की जिम्मेदारियों को और बढ़ा दिया है

राज किशोर वाजपेयी "अभय"

नए भारत के हुँकार के रूप में साहित्य संगीत की नगरी ग्वालियर को यूनेस्को द्वारा "सिटी आफ म्यूजिक" के रूप में स्वीकारना भारत की महान सांस्कृतिक परंपराओं की गालव तपोस्थली की भी स्वीकारोक्ति है। ग्वालियर संगीत की 500 वर्षों की विरासत को समेटे अपने संगीतमय स्वरूप को आधिकारिक रूप से मान्य किए जाने से प्रफुल्लित है। तथ्यात्मक रूप से ग्वालियर अपनी संगीत परंपरा के लिए मध्यकाल से ही विख्यात रहा है। यूनेस्को द्वारा इसको सिटी आफ जॉय सिटी आफ म्यूजिक के रूप में स्वीकारने के लिए पूर्व से ही पर्याप्त आधार थे लेकिन विलंब से ही से ही विश्व पटल पर सत्य की स्वीकारोक्ति हुई है। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग ने इसका प्रस्ताव यूनेस्को को भेजा था और इस प्रस्ताव को स्वीकारने का आधार ग्वालियर की संगीत परंपरा, स्मारक समूह, विश्वविद्यालय, संस्थान, संगीत के राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय आयोजन जैसे

मजबूत आधार रहे हैं। यही कारण है ग्वालियर के दावे को नकारना संभव नहीं हो सका।

ग्वालियर की संगीत परंपरा ग्वालियर का ख्याल, ध्रुपद तो गत पांच शताब्दी से संगीत परिवेश को अनुनादित कर रहा था। राजा मानसिंह की द्वारा ध्रुपद को संस्कृत से लोक-भाषा ब्रज-भाषा के रूप में रूपांतरित कर जन-जन तक स्वीकार करा दिया गया। बैजू बावरा, जो विख्यात संगीतज्ञ तानसेन के समकालीन थे, उन्होंने बिना दरबारी हुए भी ख्याति प्राप्त की। राजा मानसिंह, बैजू बावरा के अतिरिक्त संगीत सम्राट तानसेन उस्ताद हरसू हद्दू खान जिन्होंने ग्वालियर घराने के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की। उस्ताद हाफिज अली खान जिन्होंने प्रसिद्ध बंगश घराने के सरोद वादक, कृष्ण राव शंकर पंडित, राजा भैया पूछ वाले जैसी विभूतियों की परंपरा ग्वालियर में अनवरत देखने को मिलती है, वैसी अन्य जगह कम ही मिलती है। ग्वालियर का संगीत विश्वविद्यालय, ग्वालियर का संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर ग्वालियर का तानसेन संगीत-समारोह, ग्वालियर का सरोद-घर, ग्वालियर का बैजा-ताल का रंगमंच ग्वालियर का मोहम्मद गौस का मकबरा, मान-मंदिर, गूजरी महल, ग्वालियर को संगीत नगरी का ताज पहनाने के लिए समर्थ है। अकबर दरबार के प्रसिद्ध संगीतज्ञ तानसेन जिनके गाये दीपक राग से दीपक जल जाते थे, राग मल्हार से वर्षा होने लगती थी। ग्वालियर कला का वह मकरंद है जिसकी सुगंध रूपी विभूतियाँ कला क्षेत्र को सुरभित करती ही रहती हैं। ग्वालियर का संगीत अपने मानकों के साथ-साथ अपनी विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है। भारत अपने गौरव के स्थान को प्राप्त कर रहा है। 21वीं शताब्दी विश्व में मानव मूल्यों की स्थापना करते हुए भारत की है। जिसमें कला और मानवता के मूल्य विश्व पटल पर भारत का विश्व-दर्शन करने वाले हैं। 1000 साल के संघर्ष-काल के बाद जगा हुआ भारत तब और अधिक प्रफुल्लित होता है जब एक नवंबर को मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस पर ग्वालियर को विश्व संस्था द्वारा सिटी आफ म्यूजिक के रूप में स्वीकार किया जाता है। अब ग्वालियर की जिम्मेदारी और महत्व दोनों बढ़ गए हैं। हमें अपनी विश्व-व्यापी ख्याति को न केवल सहेजना है गौरवान्वित करना है, बल्कि उसको और समृद्धि करना है। आने वाले समय में विश्व पर्यटन के केंद्र के रूप में ग्वालियर विश्व मानचित्र पर और अधिक सम्मोहन के साथ में अपने स्वरूप को प्रस्तुत करेगा। यह अवसर हम सब की प्रसन्नता के साथ-साथ जिम्मेदारियों का भी है। हम अपने गौरव के साथ-साथ भारत उदय साधनाष-यज्ञ में अपने आप को सचेष्ट रखें। यही समय की मांग है और यही हमारी प्रसन्नता का विजयी उद्घोष भी। स्वर्णिम-भविष्य हमारी प्रतीक्षा कर रहा है।

दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर पर कम नहीं हुआ है बीजेपी का विश्वास

स्वदेश कुमार

राजनीति में एक हार से सब कुछ खत्म और एक जीत से सब कुछ हासिल नहीं हो जाता है। जीत-हार राजनीति का हिस्सा है। यह अनवरत जारी रहता है। इस बात का अहसास उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की संभावनाओं के चलते किया जा रहा है। चर्चा है कि योगी सरकार में कुछ और नये चेहरे शामिल होने वाले हैं जिससे लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण का फामूर्ला फिट हो सके। इसीलिए योगी मंत्रिमंडल में दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर को मंत्री बनाये जाने की चर्चा हो रही है। यह वह दो नेता हैं जिनको भाजपा का जातीय समीकरण मजबूत करने के लिए हाल फिलहाल में पार्टी के साथ जोड़ा गया था।

ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ बीजेपी का गठबंधन हुआ था और घोसी से सपा विधायक दारा सिंह चौहान सपा की सदस्यता और विधायिकी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे, लेकिन यह भी हकीकत है कि बीजेपी के बैनर तले घोसी से उप चुनाव लड़े दारा सिंह को हार का समाना करना पड़ा था। वहीं ओम प्रकाश राजभर की पार्टी की बात की जाये तो विधान सभा चुनाव में बीजेपी को ओम प्रकाश राजभर की पार्टी से उतना फायदा नहीं मिला था, जितनी उनसे उम्मीद थी, मगर बीजेपी ने आस नहीं छोड़ी है, उसे आज भी दारा सिंह और राजभर

पर भरोसा है। माना जा रहा है कि बीजेपी हाईकमान द्वारा इन दोनों नेताओं को दिवाली से पहले योगी मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए जल्द फैसला लिया जा सकता है। सब कुछ ठीकठाक रहा तो सपा का साथ छोड़कर एनडीए में आए सुभासपा के मुखिया ओपी राजभर को कैबिनेट के अलावा दारा सिंह चौहान को भी मंत्री पद दिया जा सकता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद से ऐसे कयास लग रहे हैं। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन माना जा रहा है कि दोनों नेताओं को योगी कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। राजभर को एनडीए में और दारा सिंह चौहान को बीजेपी में शामिल होने से पहले पार्टी के नेताओं ने मंत्री पद देने का आश्वासन दिया था। हालांकि, घोसी में हुए उपचुनाव में बीजेपी की हार के बाद से दोनों ही नेताओं को मंत्री पद मिलने की राह थोड़ी कठिन हो गई थी। उधर, ओपी राजभर ने दावा किया है कि दिवाली से पहले बीजेपी इसकी घोषणा कर सकती है। लोकसभा चुनाव को लेकर सपा के पीडीए और जाति जनगणना के मुद्दे की काट खोज रही बीजेपी के लिए यह दोनों नेता काफी अहम माने जा रहे हैं।

चुनावी बाण्ड का भविष्य

सुप्रीम कोर्ट में चल रहे इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े अहम मामले में गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गई। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, लेकिन सुनवाई के दौरान जिस तरह से इस मसले के अलग-अलग पहलू उभरे वह भी काफी महत्वपूर्ण है। इस दौरान न केवल चुनावी फंडिंग से बल्कि डोनेशन देने वाली कंपनियों, डोनेशन पाने वाले दलों और इन राजनीतिक दलों को अपने वोट से चुनने वाले वोटरों के अधिकारों से भी जुड़ी अलग-अलग राय सामने आई। यह सवाल उठा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मसले पर विचार करने का अधिकार है भी या नहीं। अदालत ने साफ किया कि चुनावी फंडिंग का जो फॉर्मैट कार्यपालिका ने बनाया है, वह संविधान की कसौटियों पर खरा उतरता है या नहीं, यह देखना उसकी जिम्मेदारी है और इसी सवाल पर वह विचार करेगी। अगर उसमें कमी पाई जाती है तो उसे कैसे ठीक किया जाए या उसकी जगह कोई दूसरा फॉर्मैट लाना है तो वह कैसा हो और कैसे आए, यह देखना सरकार का काम होगा। सुनवाई के दौरान यह बात बार-बार कही गई कि चुनावी बॉन्ड से जुड़ा कानून लाने के पीछे मंशा अच्छी थी। इस पर किसी पक्ष ने आपत्ति भी नहीं की। बावजूद इसके, फंडिंग के इस तरीके में कई तरह की दिक्कतों की बात सामने आई। भले ही कानून लाने के पीछे कैश डोनेशन रोकने और फर्जी कंपनियों के डोनेशन पर लगाम लगाने का इरादा रहा हो, लेकिन व्यवहार में हो यह रहा है कि डोनेशन से जुड़े डीटेल्स तक सिर्फ सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी की पहुंच होती है किसी और की नहीं। इसका परिणाम यह देखा जा रहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड का तकरीबन सारा हिस्सा सत्तारूढ़ दलों को जाता है और बाकी पार्टियों को नाम मात्र का हिस्सा मिलता है। इस धारणा की पुष्टि के लिए हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए मिले फंड का ब्योरा पेश करने को कहा है, लेकिन यहां दो सवाल उभरते हैं। पहला यह कि कहीं इससे विभिन्न राजनीतिक दलों के समानता के अधिकार की धज्जियां तो नहीं उड़ रहीं और दूसरा, कहीं यह रिश्वत को लीगलाइज करने का तरीका तो नहीं बन गया है। एक अहम पहलू यह भी सामने आया कि अपने डोनेशन को गोपनीय रखने का कंपनियों का अधिकार ज्यादा महत्वपूर्ण है या राजनीतिक दलों को मिल रही फंडिंग का सोर्स जानने का आम नागरिकों और वोटरों का हक। इस मसले से जुड़े इन तमाम पहलुओं पर सुप्रीम कोर्ट आखिरकार क्या रुख अपनाता है यह तो उसके फैसले से ही पता चलेगा, लेकिन फिलहाल यह उम्मीद जरूर की जा सकती है कि कोर्ट का आदेश आने वाले दिनों में चुनावी फंडिंग का स्वरूप तय करने के साथ ही चुनाव सुधारों को भी नई दिशा देने का काम करेगा।

डीएम संग एसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर सुनी समस्याएं समाधान का दिया निर्देश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सदर में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमे 99 शिकायत पत्र प्राप्त हुए और मौके पर 05 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातो तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 386 शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 34 शिकायत पत्रो का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील जखनियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 59 शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिसमें 04 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जमानियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 27 शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 05 का मौके पर निस्तारण किया गया। मोहम्मदाबाद तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 59 शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिसमें मौके 10 का निस्तारण किया गया। तहसील

कासिमाबाद में अपर जिलाधिकारी भू0/रा0 की अध्यक्षता में 55 शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 05 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 57 शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 03 का निस्तारण किया गया एवं तहसील सैदपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 30 शिकायत पत्र प्राप्त 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायत पत्र पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अविलम्ब मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण करायी जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी सदर एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

त्रिपदा पब्लिक स्कूल में बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई विज्ञान प्रदर्शनी

प्रखर पिंडरा वाराणसी ।क्षेत्र के गांगकला में स्थित त्रिपदा पब्लिक स्कूल में कक्षा एक से कक्षा 12 तक के बच्चों के द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यालय के अधिकांश बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर नए-नए मॉडल, यंत्र, डिवाइस इत्यादि मॉडलों के माध्यम से उपस्थित समस्त प्रबंधकीय समिति के सदस्यों एवं अध्यापक तथा अध्यापिकाओं को आश्चर्यचकित कर दिया। विज्ञान प्रदर्शनी में ट्रैफिक लाइट, प्राथमिक उपचार, कच्चा घर, झूला, प्रदूषण नियंत्रण, कैनन गन, ज्वालामुखी, ड्रोन, रॉकेट, चंद्रयान, वर्षा सूचक, मानवीय हृदय, मानवीय नेत्र, मानवीय मस्तिष्क, जल गर्म यंत्र, विद्युत ऊर्जा यंत्र, धूम्र रोबोट इत्यादि आधुनिक मॉडलों को प्रस्तुत कर सभी को है हत -प्रभ कर दिया। विराट वर्मा (कक्षा एक), अमन गुप्ता (कक्षा 2), अंजली वर्मा एवं प्रांजल तिवारी (कक्षा 3) सरस मौर्या तथा अविका (कक्षा 4)एवं प्रियांशु जायसवाल एवं वरुण मिश्रा (कक्षा 5) ने नवीन तकनीकी के माध्यम से निर्मित मॉडल को प्रस्तुत कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। जबकि उज्जवल सिंह (कक्षा 6) आंचल वर्मा, मानवी मिश्रा ,अंशु दुबे एवं कृष्णा तिवारी (कक्षा 7) तथा सृष्टि यादव, अंश पटेल ,आयुष तिवारी तथा आदर्श सिंह, ने स्व निर्मित मॉडल को प्रस्तुत कर सभी को हत-प्रभ कर दिया। सीनियर कक्षाओं में विवेक प्रताप मौर्य, वैभव मिश्रा एवं रोशन पाल (कक्षा 9), रितेश पटेल, विष्णु दत्त मिश्रा, अनीता पटेल, नीलू यादव, आंचल पटेल, अमीर हैदर इत्यादि (कक्षा 10) की छात्र-छात्राओं ने नवीन विज्ञान पर आधारित मॉडलों को प्रस्तुत कर खूब वाहवाही प्राप्त की। बच्चों के प्रदर्शन को देखकर विद्यालय के प्रबंधक कन्हैया लाल पटेल ने प्रतिभागी सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चे अपनी वैज्ञानिक योग्यता एवं क्षमता का आकलन करते हैं। विद्यालय के प्रबंध निर्देशिका श्रीमती प्रमिला देवी ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया एवं बताया कि सदैव प्रगति के पथ पर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

तहसील दिवस पर आए 87 मामले, निस्तारण 5 का

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील दिवस पर शनिवार को सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर 87 लोगों ने गुहार लगाई। जिसमे 5 लोगों को त्वरित न्याय मिल पाया। तहसीलदार विकास पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित तहसील पर रामपुर निवासी तेजबहादुर पाल धनगर ने शासन के आदेश के बावजूद धनगर को अनुसूचित जाति प्रमाण जारी करने की गुहार लगाई । शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि डीपीआरओ व परिवार रजिस्टर की नकल शपथ पत्र के साथ देने के बावजूद पिंडरा तहसील द्वारा जाति प्रमाण पत्र नही देने का आरोप लगाया। प्रेम नट निवासी बेलवा ने शिकायत किया कि बेलवाँ नट बस्ती वालों के लिए कब्रिस्तान की भूमि रकबा 329 क खाली पड़ी है लेकिन अभी तक उसका सीमांकन नहीं किया गया । नट बस्ती के लोगों ने सीमांकन करने की मांग की। वही ताड़ी के रामजियावन गुप्ता ने रामपुर सिसवा जिसपर बगैर भूमि प्रबंधन समिति की बैठक कराए धनपशुओं को जमीन आवंटन करने की शिकायत की। वही सर्विपुर के किसानों ने दो माह से सिंचाई नलकूप का मोटर जलने व ताड़ी में नलकूप संख्या 49 के सिंचाई नाली क्षतिग्रस्त होने की शिकायत की। इसके अलावा तहसील दिवस पर सीमांकन अवैध कब्जे की शिकायत आई। सभी को सम्बंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए दिया गया। इस दौरान नायब तहसीलदार राधेश्याम यादव, प्राची केसरवानी, बीडीओ छोटेलाल तिवारी, बीईओ देवीप्रसाद दुबे, विजय यादव, सीडीपीओ आर एन सिंह समेत राजस्व व पुलिज विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पिंडरा तहसील को प्रदेश लगातार दूसरी बार मिला प्रथम स्थान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। आईजीआरएस पोर्टल पर किये गए शिकायत का समयबद्ध तरीके से पूर्ण निस्तारण करने पर पिंडरा तहसील को प्रदेश व जिले में लगातार दूसरी बार प्रथम स्थान मिला। प्रदेश सरकार द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत पत्रों के गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से निस्तारण करने पर 90 अंक निर्धारित है। उसी के आधार पर प्रदेश के विभिन्न तहसीलों को अंक दिए जाते है। जिलाधिकारी के निर्देश पर पिंडरा तहसील में कुल 94 मामले आईजीआरएस पोर्टल पर थे। जिसे समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण पर पूरे 90 अंक दिए हैं। जिससे पिंडरा तहसील को अक्टूबर माह में प्रथम स्थान मिला। जबकि सितंबर माह में भी प्रथम स्थान मिला। यह उपलब्धि पिंडरा तहसील को अब तक 6 बार मिल चुकी है। इस बाबत एसडीएम प्रतिभा मिश्रा ने कहाकि यह उपलब्धि डीएम के निर्देश तथा अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास का नतीजा है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र है।

पति ने अपनी पत्नी को मारपीट कर कुल्हा तोड़ा

प्रखर शाहगंज जौनपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ठकठौलीया निवासिनी प्रभावती ने कोतवाली पुलिस को शनिवार को प्रार्थना पत्र देते हुए अपने पति श्रीराम पर आरोप लगाते हुए कहा की मामूली विवाद को लेकर उसका पति उसे मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया।जिससे उसके कमर के दाहिने तरह कुल्हा टूट गया। प्रार्थनी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाई की मांग की है।

स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा चुप्पी तोड़ो आभियान चलाकर कई महाविद्यालयों में सेनेटरी पैड का वितरण किया गया

प्रखर प्रयागराज। स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा चुप्पी तोड़ो अभियान का आयोजन किया गया। सैनिक बल विकास विद्या मन्दिर स्कूल अशोक नगर में इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई जिसमे एंबार्क फाउंडेशन की अध्यक्ष मुख्य अतिथि श्रीमती सुमन ऑस्कर जो की दिल्ली से चल कर प्रयागराज में इस प्रोग्राम के बारे में बच्ची तथा बच्चो को भी बताया की कैसे हम पीरियड्स टाइम में अपनी बहनों की तथा अपनी किसी भी साथी की समस्या को कैसे समझे और लड़कियों को अपने स्वास्थ तथा अपनी समस्या को बताने के लिए कैसे अपनी बात रखे सभी बातों पर प्रकाश डाला।साथ ही ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वधान में सभी बच्चो को जागरूक किया गया तथा सेंट्री पैड का वितरण किया गया। तृतीया कार्यक्रम स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा सेवा बस्ती की महिलाओं के साथ तेलियरगंज तिकोना पार्क में बच्ची तथा महिलाओं को भी सेंट्री पैड का वितरण किया तथा अंत में राष्ट्र गान करा के प्रोग्राम का समापन किया गया। साथ ही हिंदू महिला विद्यालय व कैंट हाईस्कूल के बच्चियों को सुमन जी के द्वारा जागरूक किया गया। समाज में व्याप्त विभिन्न धारणाओं पर प्रकाश डालकर उन्हें अवगत कराया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डॉ आर के सर , मयंक अग्रवाल, रुचिन वर्मा, व विनय मिश्रा की उपस्तिथि रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वदेश सेवा संस्थान के स्वयंसेवक देव, हिमांशु, निशा, स्वाति, अमित, अभय, पूजा, रुद्रांश, सोनाली, आरती, सचिन, दिलीप, अनमोल, लक्ष्य इत्यादि के सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ।

पुरानी रंजिश में युवक को पीटा, मुकदमा दर्ज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के मंगारी स्थित प्राथमिक विद्यालय के समीप दबंगो ने पिंडरा निवासी मोनू नामक युवक को मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। पुलिस को दिए तहरीर में मोनू पांडेय निवासी पिंडरा ने आरोप लगाया कि वह मंगारी बाजार से घर लौट रहा था तभी प्राथमिक विद्यालय के समीप पुरानी रंजिश को लेकर लात घुसे व डंडे से मारा पीटा। आसपास के लोगों के आने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पिटाई से उसके सिर व हाथ पैर में गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलवस्था में पुलिस ने उसका उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कराया गया। उसके बाद रेफर कर दिया गया। वही पुलिस ने तहरीर के आधार पर कथौली निवासी दो सगे भाइयों आदित्य सिंह व अंशु सिंह तथा वैभव सिंह समेत दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विषय में दीपक सिंह को प्रथम शोध उपाधि

प्रखर जौनपुर ।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग में प्रथम शोध उपाधि हासिल करने का गौरव दीपक सिंह को मिला है। इन्होंने फ्री स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन के क्षेत्र शोध कर व शोध पत्र से देश में लोहा मनवाया है। इन्होंने मौखिकी परीक्षा के दौरान आंतरिक एवं बाह्य परीक्षको के समक्ष अपना प्रेजेंटेशन प्रस्तुत कर शोध क्षेत्र की काफी जानकारी दी। पूर्वांचल विश्वविद्यालय इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग पहले शोध उपाधि हासिल करने का गौरव दीपक सिंह को मिला है। यह दीपक सिंह ने मौखिकी परीक्षा के दौरान प्रेजेंटेशन सभी शिक्षकों छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत किया । जिसमें शोथार्थी दीपक सिंह इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग फ्री स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में शोध किया और शोध पत्र पब्लिश किया जो देश दुनिया में शोध साइट नेटवर्क सराहा जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसी विधा है जिसमें लेजर किरणों के माध्यम से दृश्य श्रव्य एवं डाटा यानी ऑडियो वीडियो एवं डाटा का संचार तीव्र गति से संभव हो सकेगा। जिसका उपयोग रक्षा प्रणाली एवं बिगड़े मौसम जैसे माहौल में संचार सेवाये सहजता से उपलब्ध कराने में कारगर सिद्ध होगा ।उन्होंने बताया कि 3 वर्ष में अथक मेहनत के बाद बदौलत शोध कार्य पूरा करने में सफलता मिली। उन्होंने शोध कार्य विभाग के प्रोफेसर बीबी तिवारी के निर्देशन में किया और प्रो बीवी तिवारी ने कहा इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग में 6 वर्षों से शिक्षण सेवा का कार्य कर रहे हैं।

तीन लड़कियों को पुलिस ने 24 घण्टे के अंदर हरियाणा से किया बरामद

प्रखर शाहगंज जौनपुर। किसी बात से नाराज होकर घर बार छोड़कर फरार हुई तीन शाहगंज पुलिस ने 24 घंटे के भीतर हरियाणा से सकुशल बरामद कर लिया। तीनों युवतियों को पुलिस ने उनके परिवार वालों को सौप दी। अपनी अपनी बेटियों को सुरक्षित पाकर सभी परिवारो में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। पुलिस के अनुसार दो नवम्बर को शाहगंज थाना क्षेत्र के कोहड़ा गांव के निवासी प्रवेश कुमार विन्द ने थाने पर सूचना दिया कि मेरी तथा गांव की दो अन्य लड़कियां घर से नाराज होकर बिना किसी को कुछ बताये घर छोड़कर कही चली गयी है। इस मामले को एसपी डा0 अजयपाल शर्मा ने गम्भीरता से लेते हुए शाहगंज पुलिस व सर्विलांस की संयुक्त टीम गठित करके युवतियों को जल्द से जल्द बरामद करने का आदेश दिया था। दोनो टीमें तत्काल कार्यवाही करते हुये सार्वजनिक स्थानों पर लगाये गये सीसीटीवी कैमरों के फूटेज के विश्लेषण व सर्विलांस की मदद से फरीदाबाद (दशहरा ग्राउण्ड) हरियाणा से तीनो लड़कियों को 24 घण्टे के अंदर बरामद कर उनके परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा तत्परता पूर्वक की गयी कार्यवाही व लड़कियों की बरामदगी से लड़कियों के परिजनो के चेहरे पर खुशी की लहर देखी गयी तथा उनके द्वारा पुलिस टीम को धन्यवाद दिया गया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

प्रखर शाहगंज जौनपुर। शनिवार को क्षेत्र के मजडीहा स्थित अब्दुल अजीज अंसारी डिग्री कालेज में मिर्जा अनवर बेग चैरिटेबुल ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन डाक्टर मारिया फारूकी एवं डाक्टर एस शेख की देख रेख में कालेज के छात्रों,प्रवक्ताओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ परीक्षण कर मुफ्त दवाएं वितरित की गई। उक्त अवसर पर संस्था के सचिव मिर्जा अजफर बेग आये हुए अतिथियों का स्वागत किया।एवं आभार कालेज की प्रबन्धक श्रीमती कहकशाँ बेग ने प्रकट किया। इस मौके पर कालेज के प्राचार्य एनपी उपाध्याय, मो. आमिर सिद्दीकी, वरिष्ठ प्रवक्ता आशीष अस्थाना,नौशाद खान सहित तमाम गणमान्य उपस्थित रहे।

दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष पर विभिन्न वर्गो में हुई एथलेटिक्स प्रतियोगिता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को को पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर जिला स्तरीय जूनियर वर्ग बालक/बालिकाओ की एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन के मुख्य अतिथि निशांत उपाध्याय डिप्टी कलेक्टर गाजीपुर द्वारा किया गया। बालक वर्ग में अरविन्द यादव क्रीड़ा अधिकारी ने बुके देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस प्रतियोगिता में बालक 75 व बालिका 45 कुल 120 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। 100 मी0 दौड़ में मोहित प्रसाद प्रथम, अंगद भारती द्वितीय, शाजिद अली तृतीय रहें, 200 मी0 दौड़ में मोहित प्रसाद प्रथम, अखिलेश यादव द्वितीय, भोला यादव तृतीय रहें, 400 मी0 दौड़ में अखिलेश यादव प्रथम, अश्विनी यादव द्वितीय, सत्यानन्द कुमार तृतीय रहें, 800 मी0 दौड़ में भोला यादव प्रथम, बालेश्वर बिन्द द्वितीय, अंश कुमार यादव तृतीय रहें, 1500 मी0 दौड़ में पवन राजभर प्रथम, अंश कुमार यादव द्वितीय, रणधीर श्याम तृतीय रहें, 3000 मी0 दौड़ में पवन राजभर प्रथम, अश्विनी राय द्वितीय, रणधीर श्याम तृतीय रहें, लांगजम्प में अंगद

भारती प्रथम, अंकुर कुशवाहा द्वितीय, आनन्द चौहान तृतीय रहें, शाटपुट थ्रो में गोलू चौहान प्रथम, रामचन्द्र द्वितीय, विशाल यादव तृतीय रहें, डिस्कस थ्रो में गोलू चौहान प्रथम, शाजिद अली द्वितीय, राजकरन चौहान तृतीय रहें, जेबलिन थ्रो में राजकर चौहान प्रथम, शिवप्रकाश बिन्द द्वितीय, अमित यादव तृतीय रहें। महिला वर्ग में 100 मी0 दौड़ में निक्की प्रथम, सीमरन द्वितीय, प्रिती तृतीय रहें, 200 मी0 दौड़ में आरती यादव प्रथम, आकांक्षा पाल द्वितीय, बबली वर्मा तृतीय रहें, 400 मी0 दौड़ में आरती यादव प्रथम, प्रिती कुमारी द्वितीय, अंशु यादव तृतीय रहें, 800 मी0 दौड़ में अंशु कुमारी प्रथम, वर्तिका पाण्डेय द्वितीय, अंशु तृतीय रहे, 1500 मी0 दौड़ में वर्तिका पाण्डेय प्रथम, विद्युषी पाण्डेय द्वितीय, संध्या यादव तृतीय रहें, 3000 मी0 दौड़ में निक्की प्रथम, अंशु द्वितीय, प्रिती कुमारी तृतीय रहें, लांगजम्प में सीमरन प्रथम, गीतांजली द्वितीय, अनन्या कुमारी तृतीय रहें, शाटपुट थ्रो में प्रिती कुमारी प्रथम, अनू यादव द्वितीय, वर्शा कुमारी तृतीय रहें, डिस्कस थ्रो में रोनी प्रथम, अनू यादव द्वितीय, प्रियंका शर्मा तृतीय रहें, जेबलिन थ्रो में नीलू विश्वकर्मा प्रथम, रूबी कश्यप द्वितीय, आकांक्षा पाल तृतीय रहें।

जाड़ता राजा महानाट्य मंचन का बीएचयू परिसर में भूमि पूजन राहुल सिंह के हाथों संपन्न

प्रखर वाराणसी। छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित जाड़ता राजा महानाट्य मंचन हेतु बीएचयू के एम्पी थिएटर ग्राउंड में भूमि पूजन का कार्य संपन्न हुआ। बतादे कि भूमि पूजन 11 ब्राह्मणों के द्वारा कराया गया। कार्यक्रम काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य वेंकट रमण घनपाठी एवं मुख्य अर्चक श्रीकांत मिश्र के सानिध्य में कराया गया। भूमि पूजन के बाद संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पद्मश्री प्रोफेसर वशिष्ठ त्रिपाठी ने किया। छत्रपति शिवाजी महाराज पर अपने विचार रखते हुए, भवानी नंदन यति जी महाराज ने कहा कि छत्रपति शिवाजी का पूर्वांचल के लोगों ने केवल चित्र देखा है और उनकी शौर्य गाथा को सुना था, परंतु जाड़ता राजा के माध्यम से जीवंत स्वरूप देखने को मिलेगा।आगे उन्होंने कहा कि आज सुंदर और सौहार्द जीवन जीने के लिए छत्रपति शिवाजी के जीवन मूल्यों को अपनाना होगा। साथ ही हिन्दू समाज को यह नाट्यमन्चन एक सूत्र में बांधने के साथ नाटक

जीवन एवं जगत को एक सूत्र में पिरोने का काम भी करता है। आगे यति जी ने कहा कि सनातन मूल्यों के सबसे बड़े प्रहरी शिवाजी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे स्वामी विशोखानंद जी ने कहा कि समाज को विनाश से बचाने का कार्य क्षत्रिय करता है। हम मनु महाराज की संतान हैं। ब्राह्मण कर्म की शिक्षा देता है वह समाज का कुशल मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि हमें अपना धर्म और कर्म समझना होगा। आगे कहा कि क्षत्रिय के सबसे जरूरी है कि वह प्रजा की रक्षा करे। उन्होंने ने कहा कि क्षत्रिय एकता का परिचय दिए होते तो बाबर को हार का मुंह देखना पड़ता लेकिन तुच्छ प्रलोभन के चक्कर में फंसकर रजवाड़ों ने भारत की दुर्दशा करा दी जो अत्यंत दुर्भाग्य पूर्ण था।

विशिष्ट अतिथि स्वामी यतीन्द्रानंद जूना अखाड़ा ने बोलते हुए कहा कि आदि शंकराचार्य के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिंदुओं के लिए काम किया। सनातन संस्कृति ही पूरी दुनिया को युद्ध से बचा सकता है। उन्होंने कहा कि आज जन- जन को जरुरत पड़ने और देश रक्षार्थ शिवाजी बनना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की शिवाजी महाराज आन बान और शान थे।इसीलिए वे दूरदर्शी राजा के रूप में भारतीय समाज में प्रतिष्ठित हैं।जड़ता राजा की समिति ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित विश्व का सबसे प्रसिद्ध महानाट्य का जीवंत मंचन ह्लजाणता राजाह्व अर्थात बुद्धिमान ० दूरदर्शी राजा पुणे के २५० कलाकारों द्वारा जीवंत अभिनय

काशी हिंदू विश्वविद्यालय एमपी थियेटर में 21 नवम्बर से 26 नवम्बर 2023 को रोज सायंकाल 5.30 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक चलेगा, जिसको देखने के लिए सेवा भारती ने लोगो से अपील की है। इस अवसर पर सेवा भारती काशी प्रान्त अध्यक्ष राहुल सिंह ने भूमि पूजन के मुख्य यजमान के रूप में भूमि पूजन के साथ संतों का सम्मान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री प्रोफेसर वशिष्ठ त्रिपाठी ने किया। मुख्य रूप से पदम-प्रोफेसर कमलाकर त्रिपाठी, प्रोफेसर बीसी कापरी, डॉ ज्ञान प्रकाश मिश्र, डॉ राघव मिश्र ,सेवा भारती के प्रांत महामंत्री जियुत राम विश्वकर्मा, विभाग प्रचारक नितिन,सह सचिव हरिनारायण बिसेन, कोषाध्यक्ष सतीश जैन,गिरीश त्रिपाठी, विपिन सिंह,गोबिंद महुआ बाबा, शशांक अग्रवाल, समीर गुप्ता, प्रणव सिंह,आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जाणता राजा महानाट्य आयोजन समिति काशी प्रांत सचिव अनिल नारायण किंजवाडेकर ने किया ।

दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष पर विभिन्न वर्गो में हुई एथलेटिक्स प्रतियोगिता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को को पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर जिला स्तरीय जूनियर वर्ग बालक/बालिकाओ की एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन के मुख्य अतिथि निशांत उपाध्याय डिप्टी कलेक्टर गाजीपुर द्वारा किया गया। बालक वर्ग में अरविन्द यादव क्रीड़ा अधिकारी ने बुके देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस प्रतियोगिता में बालक 75 व बालिका 45 कुल 120 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। 100 मी0 दौड़ में मोहित प्रसाद प्रथम, अंगद भारती द्वितीय, शाजिद अली तृतीय रहें, 200 मी0 दौड़ में मोहित प्रसाद प्रथम, अखिलेश यादव द्वितीय, भोला यादव तृतीय रहें, 400 मी0 दौड़ में अखिलेश यादव प्रथम, अश्विनी यादव द्वितीय, सत्यानन्द कुमार तृतीय रहें, 800 मी0 दौड़ में भोला यादव प्रथम, बालेश्वर बिन्द द्वितीय, अंश

कुमार यादव तृतीय रहें, 1500 मी0 दौड़ में पवन राजभर प्रथम, अंश कुमार यादव द्वितीय, रणधीर श्याम तृतीय रहें, 3000 मी0 दौड़ में पवन राजभर प्रथम, अश्विनी राय द्वितीय, रणधीर श्याम तृतीय रहें, लांगजम्प में अंगद भारती प्रथम, अंकुर कुशवाहा द्वितीय, आनन्द चौहान तृतीय रहें, शाटपुट थ्रो में गोलू चौहान प्रथम, रामचन्द्र द्वितीय, विशाल यादव तृतीय रहें, डिस्कस थ्रो में गोलू चौहान प्रथम, शाजिद अली द्वितीय, राजकरन चौहान तृतीय रहें, जेबलिन थ्रो में राजकर चौहान प्रथम, शिवप्रकाश बिन्द द्वितीय, अमित यादव तृतीय रहें। महिला वर्ग में 100 मी0 दौड़ में निक्की प्रथम, सीमरन द्वितीय, प्रिती तृतीय रहें, 200 मी0 दौड़ में आरती यादव प्रथम, आकांक्षा पाल द्वितीय, बबली वर्मा तृतीय रहें, 400 मी0 दौड़ में आरती यादव प्रथम, प्रिती कुमारी द्वितीय, अंशु यादव तृतीय रहें, 800 मी0 दौड़ में अंशु कुमारी प्रथम, वर्तिका पाण्डेय द्वितीय, अंशु तृतीय रहे, 1500 मी0 दौड़ में वर्तिका पाण्डेय प्रथम, विद्युषी पाण्डेय द्वितीय, संध्या यादव तृतीय रहें, 3000 मी0 दौड़ में निक्की प्रथम, अंशु द्वितीय, प्रिती कुमारी तृतीय रहें, लांगजम्प में सीमरन प्रथम, गीतांजली द्वितीय, अनन्या कुमारी तृतीय रहें, शाटपुट थ्रो में प्रिती कुमारी प्रथम, अनू यादव द्वितीय, वर्शा कुमारी तृतीय रहें, डिस्कस थ्रो में रोनी प्रथम, अनू यादव द्वितीय, प्रियंका शर्मा तृतीय रहें, जेबलिन थ्रो में नीलू विश्वकर्मा प्रथम, रूबी कश्यप द्वितीय, आकांक्षा पाल तृतीय रहें। एथलेटिक्स प्रतियोगिता का सफल संचालन विनोद कुमार जासवाल, विजय यादव की देख रेख में किया गया। इस अवसर पर सर्वदेव सिंह यादव सेवानिवत क्रीड़ा अधिकारी, ग्यासुद्वीन अहमद, नागेन्द्र यादव, दिवाकर यादव एवं समस्त प्रशिक्षक उपस्थित रहें। अन्त में अरविन्द यादव, क्रीड़ा अधिकारी द्वारा सभी आगन्तुओं एवं खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खानपुर पुलिस ने किया धारा 304बी/498ए/201,व 3/4 डीपी एक्ट का वांछित गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक महोदय गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सैदपुर के निकट पर्यवेक्षण में दिनांक 01 नवंबर 2023 समय 11.20 बजे उ0नि0 शिवाकान्त मिश्रा मय फोर्स द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 153/2023 धारा 304बी/498ए/201 भादवि व 3/4 डीपी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण/अभियुक्ता को मठसरैया पुल बहदग्राम मटसरैया थाना खानपुर जनपद गाजीपुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तगण में सन्तोष कुमार पुत्र शिकन्दर राम निवासी ग्राम मौधा थाना खानपुर जनपद गाजीपुर उम्र 28 वर्ष, सिकन्दर राम पुत्र भग्गू राम निवासी ग्राम मौधा थाना खानपुर जनपद गाजीपुर उम्र 57 वर्ष, दुखिया देवी पत्नी सिकन्दर राम निवासी ग्राम मौधा थाना खानपुर जनपद गाजीपुर उम्र 50 वर्ष। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में का उप निरीक्षक शिवाकान्त मिश्रा थाना खानपुर, कांस्टेबल दीपक चौहान थाना खानपुर, कांस्टेबलअहमद खाँ थाना खानपुर, महिला कांस्टेबल नेहा पाण्डेय थाना खानपुर जनपद गाजीपुर।

प्रदूषण के असर को कम करता है दूध और गुड़

फेफड़ों के लिए दूध और गुड़ इस समय दिल्ली की हवा बेहद खराब है। फेफड़ों के लिए ये बेहद नुकसानदेह है। एक प्रकार से आप गैस चैम्बर में बैठे हैं जिससे फेफड़ों की कई समस्याएं हो सकती हैं। इंफेक्शन की वजह से बलगम बन सकता है और गले में खिचखिच रह सकती है। इसके अलावा भी आपको कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में रात को सोने से पहले दूध के साथ गुड़ का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। लेकिन, सवाल ये है क्यों और कैसे। जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

दूध और गुड़ का सेवन

दूध और गुड़ का सेवन प्रदूषण के असर को कम कर सकता है। ये दोनों ही गले के कोमल ऊतकों पर चिकना और सुखदायक प्रभाव डालते हैं जिससे गले की जलन कम हो जाती है। आयुर्वेद के अनुसार, यह फेफड़ों को गर्म करता है और श्वसन पथ को फैलाता है जिससे बलगम साफ होता है, सांस लेने में दिक्कत नहीं होती और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं से बचने में मदद मिलती है। इसके अलावा ये प्रदूषकों के असर को हल्का कर देता है एक क्लींजर की तरह काम करता है।

फेफड़ों के लिए दूध और गुड़ के फायदे

फेफड़ों के लिए दूध और गुड़ के कई फायदे हैं। ये दोनों ही पहले तो लंग्स क्लीनर की तरह काम करते हैं। दरअसल, ये ब्रोंको-डिलेटर है यानी एक ऐसा पदार्थ जो उन लोगों में ब्रोन्कियल मांसपेशियों को आराम देता है जिन्हें खांसी-जुकाम और ड्राई कफ की समस्या होती है। इसके अलावा ये ब्रोंकाइटिस जैसा इंफेक्शन में भी फायदेमंद है।

ऐसे करें दूध और गुड़ का सेवन

दूध और गुड़ का सेवन आपको ऐसे करना है कि पहले दूध को गर्म कर लें और फिर पीने से पहले 1 टुकड़ा गुड़ खा लें। इसके अलावा आप दूध को हल्का गर्म करें और इसमें गुड़ मिलाकर जल्दी से पी लें। नहीं तो, गुड़ की वजह से दूध फट सकता है। इसके अलावा आप इसमें हल्दी भी मिला सकते हैं। तो, इस प्रकार से खराब होती हवा के बीच ये फूड तेजी से काम कर सकता है। ●

पुरुषों के लिए बेहद फायदेमंद है बड़ी इलाइची

शारीरिक कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के उपचार की खोज में, हम अक्सर उन शक्तिशाली समाधानों को नजरअंदाज कर देते हैं जो हमारे घरों के भीतर छिपे होते हैं। हमारी रसोई में मौजूद कई वस्तुएं जहां अपने पाक महत्व के लिए पहचानी जाती हैं, वहीं आयुर्वेद की दुनिया में जड़ी-बूटियों और औषधियों के रूप में भी महत्व रखती हैं। स्वास्थ्य लाभों का एक ऐसा

पावरहाउस है काली इलायची, जिसे इसके विभिन्न चिकित्सीय गुणों के लिए सम्मानित किया गया है। विशेष रूप से पुरुषों के लिए, पाचन में सुधार से लेकर यौन स्वास्थ्य को बढ़ाने तक, कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने में काली इलायची को एक प्रभावी सहायता के रूप में देखा जाता है। आइए आपको बताते है पुरुषों के लिए काली इलायची के बहुमुखी लाभों के बारे में...

काली इलायची के स्वास्थ्य लाभ

भूख और पाचन को बढ़ाता है

काली इलायची पाचन स्वास्थ्य में सुधार और भूख बढ़ाने के लिए जानी जाती है। इसके लाभों का लाभ उठाने का एक सरल तरीका सौंफ और बड़ी इलायची के बीजों को बराबर मात्रा में मिलाकर पीसना है। रोजाना इस पाउडर का एक चम्मच सेवन पाचन में सहायता कर सकता है और भूख को प्रभावी ढंग से बढ़ा सकता है।

वजन घटाने में

काली इलायची का नियमित सेवन बेहतर पाचन और बेहतर चयापचय में योगदान दे सकता है। नतीजतन, यह वजन घटाने में सहायता करता है और मोटापे को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सहायता करता है।

दांत दर्द में आराम

काली इलायची में एनाल्जेसिक गुण होते हैं जो दांत दर्द से तुरंत राहत दिला सकते हैं। काली इलायची और लौंग के तेल को समान मात्रा में मिलाकर प्रभावित क्षेत्र पर लगाने से दर्द और परेशानी काफी हद तक कम हो सकती है। ●

बढ़ते प्रदूषण के कारण हर तीसरा बच्चा है अस्थमा का मरीज इस तरह करें बचाव

दिल्ली में इन दिनों प्रदूषण बढ़ते ही जा रहा है। जिस वजह से इसका सीधा असर बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। हवा की गुणवत्ता जिस तेजी से खराब हुई है। उससे साफ है कि दिवाली तक हालात और भी बद्तर होने वाले हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने भी चिंता जताते हुए कहा कि प्रदूषण की वजह से बच्चों में अस्थमा की समस्या बढ़ती जा रही है। कोर्ट का कहना है कि दिल्ली में हर तीसरा बच्चा अस्थमा से पीड़ित है। यह हवा बड़े लोगों से ज्यादा बच्चों पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में दुषित हवा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बनते जा रहा है। साथ ही बच्चों का इम्यून सिस्टम उतना मजबूत नहीं होता है जिसका सीधा असर उनके फेफड़ों पर पड़ता है। प्रदूषण वाली हवा में मौजूद नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें बच्चों को ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चे की सेहत को लेकर चिंता में हैं तो इन कुछ आसान तरीकों से अपने बच्चों की देखभाल कर सकते हैं और उन्हें प्रदूषण से बचा सकते हैं।

अस्थमा से पीड़ित बच्चों का ऐसे रखें ख्याल

अगर आपका बच्चा भी अस्थमा से पीड़ित है तो आपको बेहद सतर्क रहने की ज़रूरत है। दिल्ली में इन दिनों प्रदूषण बहुत ज़्यादा है इसलिए अगर आप बच्चों को घर से जितना कम बाहर निकलने दें उनके लिए उतना अच्छा होगा। अस्थमा से पीड़ित बच्चों के पास हमेशा इन्हेलर रखें। रास्त में सोने से पहले गर्म पानी का सेवन करें। दिवाली के दौरान उन्हें पटाखे न फोड़ने दें।

वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियां

प्रदूषण वाली हवा के बीच सांस लेने से बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। जिसका सीधा असर उनके फेफड़ों पर पड़ता है। जिस वजह से वे इन गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।

निमोनिया

-फेफड़ों की समस्याएं
-कमजोर दिल
-ब्रोंकाइटिस
-साइनस
-अस्थमा

प्रदूषण की मार से बच्चों को ऐसे बचाएं

दिल्ली में इन दिनों वायु प्रदूषण बढ़ रहा है आपका बच्चा भी अस्थमा का शिकार न हो इसलिए अपने बच्चे के मुंह पर हमेशा मास्क लगाएं। बच्चों के लिए डिस्पोजेबल मास्क का उपयोग करें। वायु प्रदूषण बढ़ने से सबसे ज़्यादा बच्चों पर असर हुआ है इसलिए उन्हें घर से तभी निकलने दें जब जरूरी हो। बच्चों को प्रदूषण की मार से बचाने के लिए घर पर एयर प्यूरीफायर लगवाएं। बच्चों के खानपान पर भी दें ध्यान। ●

मां और शिशु दोनों रहेंगे दुरुस्त खाएं ये सीड्स

मां बनना हर महिला के लिए बेहद खास होता है। हालांकि, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं कई तरह के बदलावों से गुजरती हैं और लगभग हर महिला के मन में इस बात को लेकर शंका रहती है कि उसे क्या खाना चाहिए और उसके बच्चे के लिए क्या सुरक्षित है? आज हम आपको कुछ ऐसे सीड्स के बारे में जो प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए अच्छे होते हैं। विशेषज्ञों की माने तो हेल्दी प्रेग्नेंसी के लिए डाइट हेल्दी चीजों से भरपूर होनी चाहिए, क्योंकि इससे शिशु को अच्छी तरह से बढ़ने के लिए जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। प्रोटीन, हेल्दी फैट, फोलेट, विटामिन-ई, मैग्नीशियम, ओमेगा-3 और 6 से भरपूर सीड्स हेल्थ को दुरुस्त रखते हैं। साथ ही, इसमें मौजूद फाइबर से डाइजेशन ठीक रहता है। इससे आप अपना वजन कम कर सकते हैं। इससे आप अपने बालों और त्वचा को खूबसूरत बना सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्रेग्नेंसी में इसे डाइट में शामिल करने से मां और शिशु दोनों की हेल्थ सही रहती है।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज में प्रोटीन और फाइबर भी होता है। ये प्रेग्नेंट महिलाओं के डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए अच्छे हैं और उनके शरीर को ऊर्जावान बनाए रखते हैं। हालांकि, ये बीज कैलोरी से भरपूर होते हैं, इसलिए आपको इनका सेवन कम मात्रा में ही करना चाहिए।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड, मैग्नीशियम और जिंक से भरपूर होते हैं। इसलिए इन्हें प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए हेल्दी माना जाता है। अच्छी नींद दिलाने के अलावा, ये बीज जेस्टेशनल डायबिटीज होने के खतरे को कम करते हैं। इसके अलावा, प्रेग्नेंट महिलाओं के ब्लड प्रेशर को रेग्यूलेट करते हैं और होने वाले शिशु की ग्रोथ में मदद करते हैं।

चिया सीड्स

ओमेगा-3 एक जरूरी न्यूट्रिएंट है, जिसकी प्रेग्नेंट महिलाओं को शिशु के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए जरूरत होती है। इसलिए प्रेग्नेंट को अपनी डाइट में चिया सीड्स को शामिल करना चाहिए। इसके अलावा, ये सीड्स प्रीमैच्योर बर्थ को कम करते हैं।

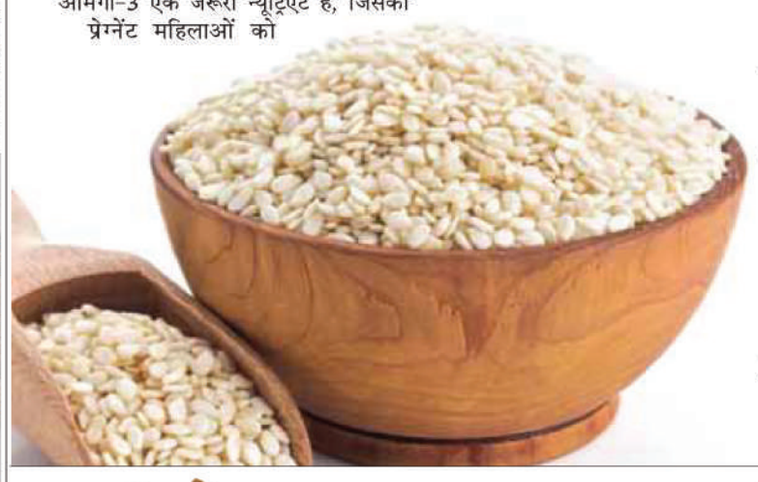

ये सीड्स अल्फा-लिनोलेनिक एसिड का प्लांट-बेस्ड स्रोत हैं, जो ओमेगा -3 का रूप है। लेकिन, प्रेग्नेंट महिलाओं को एक दिन में 1 चम्मच से ज्यादा सीड्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

तिल के बीज

ये छोटे बीज, हेल्थ का पावरहाउस हैं। अगर प्रेग्नेंट महिलाएं इसे अपनी डाइट में शामिल करती हैं, तो शिशु की हेल्थ सही रहती है। इनमें कैल्शियम होता है, जो शिशु के दांतों और बोन स्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए जरूरी है। लेकिन, इन बीजों की तासीर गर्म होने के कारण प्रेग्नेंट महिलाओं को दिन में 1 चम्मच ही खाना चाहिए। इसमें प्रेग्नेंट महिला के शरीर की डेली जरूरत का 9 प्रतिशत कैल्शियम होता है।

अलसी के बीज

प्रेग्नेंसी के शुरुआती महीने शिशु के डेवलमेंट और ग्रोथ के लिए जरूरी होते हैं। इसलिए प्रेग्नेंसी के फर्स्ट ट्राइमेस्टर में डाइट में अलसी के बीजों को शामिल करना चाहिए। ●

ये फूड्स जो आपकी किडनी को हैल्दी रखने में करते हैं मदद

किडनी हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। इसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना काफी जरूरी होता है। क्योंकि यही वह अंग है जो शरीर को डिटॉक्स करता है। किडनी अपना काम करना बंद कर दे तो व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। वहीं हमारी खराब लाइफस्टाइल किडनी के स्वास्थ्य को खराब करती है। ऐसे में अगर आप किडनी को डिटॉक्सिफाई करना चाहते हैं तो कुछ खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल कर सकते हैं। इससे किडनी फंक्शन में सुधार होता है।

क्रैनबेरी

किडनी को साफ रखने के लिए आप क्रैनबेरी या इसका जूस भी पी सकते हैं। हेल्थ केयर के मुताबिक क्रैनबेरी यूटीआई के इन्फेक्शन की रोकथाम में मदद करता है। इसमें एक खास तरह का एसिड होता है जो स्टोन बनने की प्रक्रिया को रोकने में मदद करता है। यह किडनी से विषाक्त पदार्थ निकालकर किडनी फंक्शन में सुधार करता है।

खट्टे फल

किडनी को साफ करने के लिए आप डाइट में खट्टे फलों को शामिल कर सकते हैं। जैसे लेमन, ऑरेंज। यह शरीर में हाइड्रेशन बनाए रखता है और विषाक्त पदार्थ को फ्लश आउट करने में मदद करता है। इनमे हाई लेवल में मौजूद सिट्रेट किडनी स्टोन फॉर्मेशन को रोकने में मदद करता है।

खीरा

खीरे में पानी की मात्रा ज्यादा होती है यह आपको ताजगी तो देता ही है साथ ही आपको हाइड्रेट भी रखता है। खीरे में ड्यूरेटिक प्रभाव होता है जो किडनी की पथरी की रोकथाम में मदद करता है किडनी फंक्शन के बेहतर कामकाज में मदद करता है।

राजमा

किडनी बींस जिसे हम राजमा के नाम से जानते हैं। यह दिखने में बिल्कुल किडनी की तरह लगता है। इसके सेवन से भी आप किडनी को साफ और डिटॉक्स (फुल बॉडी को ऐसे करें डिटॉक्स) कर सकते हैं। यह किडनी से विषाक्त पदार्थों हटा कर किडनी फंक्शन में सुधार करता है।

सेलेरी

सेलेरी भी किडनी डिटॉक्स करने में मददगार साबित हो सकता है। ये एक लो कैलोरी सब्जी है, इसमें अल्कलाइन प्रॉपर्टीज अधिक मात्रा में होती है। इसके अलावा इसमें ड्यूरेटिक

गुण भी होते हैं जो यूरिन का प्रोडक्शन करके विषाक्त पदार्थ को शरीर से फ्लश आउट करने में मदद करते हैं।

पानी

किडनी को साफ रखने के लिए इन सभी चीजों में से सबसे ज्यादा जरूरी है खुद को हाइड्रेट रखना। किडनी को साफ करने और डिटॉक्सिफाई करने में पानी सबसे अहम भूमिका निभाता है।

हाइड्रेट रहने से विषाक्त पदार्थ और अपशिष्टों को बाहर निकालने में मदद मिल सकती है। पानी की मदद से प्राकृतिक रूप से किडनी की मरम्मत में मदद मिल सकती है। रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से स्टोन बनने की संभावना काफी ज्यादा काम हो जाती है। ●

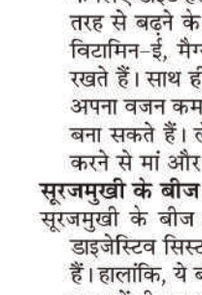

क्या आप जानते हैं?

4 नवंबर का इतिहास

-**अल्मीडा** के बाद 1509 में अल्फांसो द अल्बुकर्क भारत में दूसरे पुर्तगाली वायसराय बने।
-फ्रेडरिक पंचम 1619 में यूरोपीय देश बोहेमिया के राजा बने।
-दिल्ली में 1822 में जल आपूर्ति योजना का औपचारिक रूप से शुभारंभ।
-अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने 1822 में मैरी टोड के साथ शादी की।
-जेम्स बुकानन 1856 में अमेरिका के 15वें राष्ट्रपति बने।
-अमेरिका के बोस्टन में 1875 में मैसाचुसेट्स राइफल एसोसिएशन की स्थापना हुयी।
-अफ्रीकी देश मोरक्को और कांगो को लेकर फ्रांस तथा जर्मनी के बीच 1911 में समझौते पर हस्ताक्षर।
-वायोमिंग की नेली टेलो रॉस 1924 में संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रथम महिला गवर्नर चुनी गई।
-कश्मीर के बडगांव के मेजर सोमनाथ शर्मा को 1947 में पहला परमवीर चक्र मिला। हालांकि उन्हें यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया।
-दार्जिलिंग में हिमालयन पर्वतारोहण की संस्थान की स्थापना 1954 में की गई।
-ओ बी अग्रवाल 1984 में एमेच्योर स्नूकर के विश्व चैंपियन बने।
-1995 में इसराइल के प्रधानमंत्री की हत्या हो गई.
-सियाचीन बेस कैम्प में सेना की आफ़ सिग्नल ने 1997 में विश्व का सर्वाधिक ऊँचा एस.टी.डी. बूथ स्थापित किया। ●

ये मद्राएं माइग्रेन के दर्द से दिलाती है आराम

आज के समय में अधिकतर लोग माइग्रेन के दर्द से पीड़ित हैं। ये दर्द काफी परेशान करने वाला होता है। सिर के एक तरफ ऐसा दर्द उठता है कि व्यक्ति बेचैन हो जाता है। इसके कारण रोजमर्रा के काम में भी दिक्कत होती है। इस समस्या में जी मिचलाना, उल्टी, लाइट के प्रति संवेदनशीलता हो जाती है। कई बार ये दर्द सुबह उठते ही सताने लगता है। अगर आप भी अक्सर माइग्रेन के दर्द से पीड़ित हो जाते है तो यहां हम बताने वाले के ये मुद्राएं कैसे आपके लिए कारागार साबित हो सकता हैं। योगा विशषज्ञों के मुताबिक आप माइग्रेन पेन को दूर करने के लिए आकाश मुद्रा, वायु अपान मुद्रा और महाशीर्ष मुद्रा कर सकते हैं। इन मुद्राओं को करने से एनर्जी पूरे शरीर में जाती है जिससे आप खुश और शांत महसूस करते हैं। आइए जानते हैं कैसे करते हैं ये मुद्रा

आकाश मुद्रा

आकाश मुद्रा करने के लिए सबसे पहले आप शांत वातावरण में पद्मासन में बैठ जाएं (इस मुद्रा से लंबे और काले बनेंगे बाल) सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों को अपने दोनों घुटनों पर रखें। अब आपने हाथों की बड़ी उंगली को अंगूठे से मिलाएं और बाकी उंगलियों को सीधा रखें। इस स्थिति में आंख बंद करके सांस पर ध्यान केंद्रित करते हुए कम से कम 3 से 4 मिनट तक बैठे रहें। जब भी आपको माइग्रेन का दर्द परेशान करें आप ये मुद्रा कर सकते हैं।

वायु अपान मुद्रा

इस मुद्रा को करने के लिए आप सबसे पहले शांत वातावरण में सुखासन में बैठ जाएं। गहरी सांस लेते हुए हथेलियों को दोनों घुटनों पर टिकाएं। अब हाथ की सबसे पहली वाली उंगली को मोड़ कर अंगूठे के निचले हिस्से पर रखें। अब बीच वाली उंगली और रिंग फिंगर को अंगूठे के टिप पर लगाएं।

सबसे छोटी वाली उंगली को बाहर की फैला कर रखें।

इस मुद्रा के दौरान आंखे बंद करके गहरी सांस लें और पूरा ध्यान सांसों पर केंद्रित रखें। इस मुद्रा को करने से सिर दर्द में आराम मिल सकता है।

महाशीर्ष मुद्रा

इस मुद्रा को करने के लिए आप सबसे पहले शांत वातावरण में सुखासन में रिलैक्स होकर बैठ जाएं। अपने कंधे को ढीला छोड़ दें। अब दोनों हाथ के अंगूठे, बीच की उंगली और पहली उंगली को साथ में उठाएं। (कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए ये मुद्रा करें) छोटी उंगली के साथ वाली उंगली को हथेली पर रखें। इस दौरान गहरी सांस लें और छोड़ते रहें। इस मुद्रा का अभ्यास करने से आपको माइग्रेन के दर्द में आराम मिल सकता है। ●

संक्षिप्त खबरें

टाइटन को 916 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। आभूषण एवं घड़ी बनाने वाली टाइटन कंपनी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 9.7 प्रतिशत बढ़कर 916 करोड़ रुपये रहा। टाटा समूह की कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसने 835 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। टाइटन की बिक्री समीक्षाधीन तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़कर 10,708 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 8,567 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कुल व्यय सितंबर तिमाही में 41.07 प्रतिशत बढ़कर 11,402 करोड़ रुपये रहा। टाटा समूह और तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम के संयुक्त उपक्रम टाइटन की कुल आमदनी सितंबर तिमाही में 37.17 प्रतिशत बढ़कर 12,653 करोड़ रुपये रही।

बायर क्रॉपसाइंस का शुद्ध लाभ 37 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बायर क्रॉपसाइंस लिमिटेड (बीसीएसएल) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 37 प्रतिशत उछलकर 222.9 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फसल सुरक्षा और बीज का कारोबार करने वाली कंपनी ने बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 162.6 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि उसकी कुल आमदनी सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 1,633.3 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,465.7 करोड़ रुपये थी। यह जानकारी कंपनी के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक और सीईओ साइमन वीबुश ने दी।

इवास 100 माड्यूलर किचन स्टूडियो खोलेगी

नई दिल्ली। भारत की लीडिंग कंस्ट्रक्शन मैटेरियल कंपनी इंफ्रा.मार्केट द्वारा संचालित की जा रही इवास ने मऊ, वाराणसी, बलिया और कासगंज में स्टोर लॉन्च की घोषणा की है। इस लॉन्च पर इंफ्रा.मार्केट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अभिजीत झावर ने कहा कि हमारा प्राथमिक उद्देश्य उत्तर प्रदेश में कंज्यूमर्स की बदल रही प्राथमिकताओं की पहचान कर उन्हें बेहतर सर्विस प्रदान करने के जरिए किचन डिजाइन और कार्यक्षमता में क्रांति लाना है। अगले 12-15 महीनों में पूरे भारत में 100 इवास मॉड्यूलर किचन स्टूडियो खोलने की योजना है।

आस्क ऑटोमोटिव लि. का आईपीओ 7 को खुलेगा

नई दिल्ली। आस्क ऑटोमोटिव लिमिटेड का आईपीओ निवेशकों के लिए मंगलवार, 7 नवंबर को खुलेगा और नौ नवंबर को बंद होगा। ऑफर का प्राइस बैंड 268 से 282 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 53 इक्विटी शेयर और उसके बाद 53 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती है। ₹2 अंकित मूल्य के 29,571,390 इक्विटी शेयरों तक की कुल पेशकश में, कुलदीप सिंह राठी के 20,699,973 इक्विटी शेयर और विजय राठी (प्रमोटर विक्रेता शेयरधारक') के 8,871,417 इक्विटी शेयर बिक्री के लिए शामिल है।

एमआरएफ को 586.66 करोड़ का शुद्ध मुनाफा

नई दिल्ली। टायर निर्माता एमआरएफ लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही एकीकृत शुद्ध मुनाफा साढ़े चार गुना होकर 586.66 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष दूसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा 129.86 करोड़ रुपये रहा था। एमआरएफ ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 6,217.1 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 5,826.3 करोड़ रुपये थी। दूसरी तिमाही में कुल खर्च भी कम होकर 5,497.21 करोड़ रुपये रहा।

टीवीएस श्रीचक्र करेगी एसजी एक्विजिशन का अधिग्रहण

नई दिल्ली। टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड टायर बनाने वाली कंपनी सुपर ग्रिप कॉरपोरेशन का पूर्ण स्वामित्व हासिल करने के लिए अमेरिका स्थित एसजी एक्विजिशन कॉरपोरेशन का 30 लाख डॉलर में अधिग्रहण करेगी। टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने अमेरिका की एसजी एक्विजिशन कॉरपोरेशन में निवेश किया है। इसमें प्रति शेयर 10,000 अमेरिकी डॉलर की कीमत पर 300 सामान्य शेयरों का अभिदान शामिल है। इससे कुल राशि 30 लाख डॉलर बैठती है। *(एजेंसियां)*

नई दिल्ली में शुक्रवार को भारत मंडपम में 'वर्ल्ड फूड इंडिया' 2023 का फीता काटकर उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। साथ हैं कैबिनेट मंत्री पीयूष गोयल व अन्य मंत्रीगण।

सेंसेक्स 283 अंक चढ़ा

मुंबई, (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 283 अंक लाभ में रहा। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुझानों के बीच घरेलू बाजार लाभ में रहे। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 282.88 अंक यानी 0.44 प्रतिशत चढकर 64,363.78 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में सूचकांक 454.29 अंक तक चढ गया था। दूसरी ओर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 97.35 अंक यानी 0.51 फीसदी बढकर 19,230.60 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक और सन फार्मा में उल्लेखनीय बढत हुई।

दूसरी ओर नुकसान में रहने वाले शेयरों में बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, नेस्ले, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़कर बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख था। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत बढकर 86.86 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "मजबूत वैश्विक संकेतों, प्रमुख आर्थिक आंकड़ों के बेहतर रहने और घरेलू कंपनियों के अच्छे तिमाही नतीजों से आशावाद को बढावा मिला है। ऐसे संकेत हैं कि फेडरल रिजर्व भविष्य में दरों में बढोतरी नहीं करेगा। इसके अलावा तेल कीमतों में कुछ गिरावट से भी उम्मीद बढ़ी है।" शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 1,261.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 83.28 प्रति डॉलर पर

मुंबई (भाषा)।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को छह पैसे कमजोर होकर 83.28 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बाजार से पूंजी निकासी जारी रखने के कारण कारोबारी धारणा प्रभावित होने से रुपये में गिरावट आई।

बाजार सूत्रों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख ने निचले स्तर पर रुपये को समर्थन प्रदान किया और गिरावट पर कुछ अंकुश लगा।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.22 पर खुला और कारोबार के दौरान रुपये ने 83.29 के निचले स्तर को छुआ। अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे टूटकर 83.28 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया बृहस्पतिवार को 83.22 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था।

भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं निवेशक-अनुकूल नीतियां

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग ने 500 अरब का एफडीआई आकर्षित किया : पीएम

नई दिल्ली (भाषा)।

- नौ वर्ष में प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात 150 फीसद बढ़ा
- कार्यक्रम का उद्देश्य भारत को 'दुनिया की खाद्य टोकरी' के रूप में प्रदर्शित करना : पीएम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र एक उभरते हुए उद्योग के रूप में सामने आया है और पिछले नौ वर्षों में इसने 50,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया है। साथ ही उन्होंने फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान और भोजन की बर्बादी को कम करने पर भी जोर दिया। मोदी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रसंस्कृत खाद्य का निर्यात 150 प्रतिशत बढ़ा है और घरेलू प्रसंस्करण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की क्षमता भी मात्र 12 लाख टन से बढ़कर 200 लाख टन से अधिक हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में 'वर्ल्ड फूड इंडिया' के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए बाजरा के सेवन के लाभों पर भी बात की और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में खाद्य टोकरी के विविधीकरण की वकालत की। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम पांच नवंबर को संपन्न होगा।

प्रधानमंत्री ने एक लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को प्रारंभिक पूंजी सहायता वितरित की और 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' के तहत एक 'फूड स्ट्रीट' का उद्घाटन किया। इस आयोजन का उद्देश्य भारत को 'दुनिया की खाद्य टोकरी' के रूप में प्रदर्शित करना और 2023 को मोटे अनाज के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाना है।

उन्होंने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना और मेगा फूड पार्कों की स्थापना जैसे कुछ उपायों पर प्रकाश डाला, जो उनकी सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए उठाए हैं। मोदी ने कहा कि एक केंद्रीय योजना (एग्री इंफ्रा फंड) के तहत फसल कटाई के बाद संबंधित बुनियादी ढांचा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए करीब 50,000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।

उन्होंने कहा, " सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियां भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। पिछले नौ वर्षों में कुल कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत से बढकर 23 प्रतिशत हो गई है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में महिलाओं में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का नेतृत्व करने की प्राकृतिक क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत की स्थायी खाद्य संस्कृति हजारों वर्षों में विकसित हुई है और पूर्वजों ने खान-पान की आदतों को आयुर्वेद से जोड़ा है। मोदी ने कहा, " टिकाऊ जीवन शैली के उद्देश्य को साकार करने में भोजन की बर्बादी को कम करना एक महत्वपूर्ण प्रयास है। हमारे उत्पादों को बर्बादी कम करने के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए।"उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को बताया कि जी20 बैठकों में प्रतिनिधियों ने बाजरा से बने भोजन का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि बाजरा 'सुपरफूड बकेट' का एक प्रमुख घटक है और उन्होंने देश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खाद्य टोकरी में विविधीकरण का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, " मुझे विश्वास है कि बाजरा दुनिया के हर कोने तक पहुंचेगा। कई कंपनियां बाजरा आधारित उत्पाद ला रही हैं।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने इस मौके पर विदेशी निवेशकों से भारत में इस क्षेत्र में निवेश करने का आग्रह किया।

अरविंद फैशंस के खुदरा सौंदर्य कारोबार का अधिग्रहण करेगी रिलायंस रिटेल

नई दिल्ली (भाषा)।

खुदरा कारोबार से जुड़ी कंपनी रिलायंस रिटेल लालभाई परिवार प्रवर्तित अरविंद फैशन के खुदरा सौंदर्य कारोबार का अधिग्रहण करेगी।

अरविंद फैशन ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि कंपनी की पूरी हिस्सेदारी बेचने और हस्तांतरण करने के लिए रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी रिलायंस ब्यूटी एंड पर्सनल केयर लिमिटेड के साथ उसने शेयर खरीद समझौता किया है।

अहमदाबाद की कंपनी ने कहा कि समझौते की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद अरविंद ब्यूटी ब्रांड्स रिटेल उसकी सहायक कंपनी नहीं रहेगी।

बिक्री के संबंध में कंपनी ने कहा, "संपूर्ण इक्विटी हिस्सेदारी की बिक्री और ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए 216 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर सौदा किया गया है। संपूर्ण इक्विटी हिस्सेदारी की बिक्री के लिए खरीद विचार 99.02 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2022-23 में अरविंद ब्यूटी ब्रांड्स रिटेल का कारोबार 336.70 करोड़ रुपये था। अरविंद फैशन के एकीकृत राजस्व में इसका योगदान 7.60 प्रतिशत था।

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) आरआईएल (रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड) समूह के तहत सभी खुदरा कंपनियों की होल्डिंग कंपनी है।

कोयला उत्पादन अक्टूबर में 18.59 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)। भारत में अक्टूबर में कोयला उत्पादन 18.59 प्रतिशत बढ़कर 7.86 करोड़ टन रहा। देश में पिछले साल समान अवधि में कोयला उत्पादन 6.63 करोड़ टन रहा था। कोयला मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र वाली कंपनी सीआईएल का कोयला उत्पादन इस साल अक्टूबर में 15.36 प्रतिशत बढ़कर 6.10 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 5.29 करोड़ टन था।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक योगदान है। वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-अक्टूबर में उत्पादन बढ़कर 50.70 करोड़ टन हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में यह 44.84 करोड़ टन था।

अक्टूबर में कोयले की आपूर्ति बढ़कर 7.93 करोड़ टन हो गई, जबकि पिछले साल समान अवधि में यह 6.71 करोड़ टन थी। मंत्रालय ने कहा, " उत्पादान और आपूर्ति में बढ़ोतरी देश की बढ़ती ऊर्जा आत्मनिर्भरता को रेखांकित करता है। यह आगामी ऊर्जा मांगों को पूरा करने के हमारे दृढ़ संकल्प को सुदृढ़ करता है।' कोयला मंत्रालय निरंतर कोयला उत्पादन तथा वितरण सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को लेकर दृढ़ है, ताकि देश में जारी वृद्धि को बढ़ावा देने वाली भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति हासिल की जा सके।

एनटीपीसी ने कैप्टिव खदानों से 191 लाख टन कोयले का किया उत्पादन

नई दिल्ली (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में अपनी कैप्टिव खदानों से सालाना आधार पर 86 प्रतिशत अधिक 191.17 लाख टन कोयले का उत्पादन किया। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की नौ महीने की अवधि में उसने 102.82 लाख टन का उत्पादन किया था। इसके अलावा एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 31 अक्टूबर तक 202.25 लाख टन कोयले की आपूर्ति की। यह एक साल पहले समान अवधि में की गई आपूर्ति से 94 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने कहा, " यह उत्कृष्ट प्रदर्शन एनटीपीसी की अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन बढाने और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।" विद्युत मंत्रालय के अधीन आने वाली एनटीपीसी भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक इकाई है।

कपड़ा निर्यात 40 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंचने की उम्मीद : एईपीसी

नई दिल्ली (भाषा)।

नए गंतव्यों की खोज और रणनीतिक साझेदारी को बढावा देने जैसी पहलों के दम पर परिधान निर्यात 2030 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। एईपीसी ने शुक्रवार को यह बात कही। भारतीय कपड़ा निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन नरेन गोयनका ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए परिषद नवाचार, बाजार तथा उत्पादों के विस्तार और पर्यावरण के अनुकूल व्यापार गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने एक बयान में कहा, " हमने 2030 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर का परिधान निर्यात हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसे '30 में 40' नाम दिया गया है। यह वर्तमान दशक में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने और सीमाओं को बढाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

गोयनका ने कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल नौ दिसंबर को यहां तैयार कपड़ों (रेडीमेड) के परिधान निर्यातकों को निर्यात पुरस्कार प्रदान करेंगे।

यह पुरस्कार आधुनिक उद्यमों के निर्माण में भारतीय परिधान निर्यातकों द्वारा किए गए योगदान को मान्यता देता है। गोयनका ने कहा, " हमारे अंतरराष्ट्रीय व्यापार की वृद्धि में योगदान देने के अलावा, इन निर्यातकों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार समुदाय के एक प्रगतिशील सदस्य के रूप में भारत की बेहतर छवि बनाने में योगदान दिया है। ये भारतीय निर्यातकों की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा हैं। "वित्त वर्ष 2023-24 के अप्रैल-सितंबर में तैयार कपड़ों का निर्यात 6.92 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो एक साल पहले की अवधि से 15.3 प्रतिशत कम है। वित्त वर्ष 2022-23 में निर्यात कुल 16.2 अरब अमेरिकी डॉलर था।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 586 अरब डॉलर हुआ

मुंबई (वार्ता)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण में बढ़ोतरी होने से 27 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.6 अरब डॉलर बढ़कर 586.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया वहीं इसके पिछले सप्ताह यह 2.4 अरब डॉलर घटकर 583.5 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 27 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.3 अरब डॉलर की बढ़त लेकर 517.5 अरब डॉलर हो गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 49.9 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 45.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 1.5 करोड़ डॉलर की कमी आई और यह घटकर 17.9 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 20.8 डॉलर की गिरावट के साथ 4.8 अरब डॉलर रह गई।

मांग आदेशों के खिलाफ अपील करने के लिए वित्त मंत्रालय ने शुरू की माफी योजना

नई दिल्ली (भाषा)। वित्त मंत्रालय ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर मांग आदेशों के खिलाफ अपील करने के लिए माफी योजना शुरू की है।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अनुसार यह योजना 31 जनवरी, 2024 तक खुली रहेगी। योजना उन संस्थाओं के लिए है, जो 31 मार्च, 2023 को या उससे पहले कर अधिकारी द्वारा जारी आदेशों के खिलाफ अपनी अपील दाखिल नहीं कर सके थे। सीबीआईसी ने बृहस्पतिवार को इस योजना के संबंध में एक अधिसूचना जारी की।

अभी तक जीएसटी कानून के तहत करदाता मांग आदेश मिलने के तीन महीने के भीतर उसके खिलाफ अपील दायर कर सकते थे। इस अवधि को एक महीने और बढाया जा सकता है। जीएसटी परिषद ने सात अक्टूबर को अपनी पिछली बैठक में अपील दायर करने के लिए इस माफी योजना को मंजूरी दी थी। योजना का लाभ उठाने की इच्छुक संस्थाओं को कर मांग का 12.5 प्रतिशत पहले जमा करना होगा। वर्तमान में यह राशि 10 प्रतिशत है। इस कदम से उन करदाताओं को सुविधा होगी, जो पूर्व में निर्धारित समय अवधि के भीतर अपील दायर नहीं कर सके थे।

एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि इस योजना से उन लोगों को राहत मिलेगी जो प्रशासनिक त्रुटियों या अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण अपील की समय सीमा चूक गए होंगे।

रियल एस्टेट क्षेत्र में उछाल के आसार

नई दिल्ली (भाषा)।

जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियां और वित्तीय संस्थानों की रियल एस्टेट क्षेत्र में अगले छह महीने की वृद्धि की संभावनाओं को लेकर उम्मीदें कुछ बढ़ी हैं। नाइट फ्रैंक - नारेडको धारणा सूचकांक के अनुसार, उनकी इस धारणा का कारण त्योहारों के दौरान मांग बढना और देश की आर्थिक वृद्धि है।

रियल एस्टेट क्षेत्र के बारे में परामर्श देने वाली नाइट फ्रैंक और रियल एस्टेट कंपनियों का प्रमुख निकाय नारेडको ने शुक्रवार को '2023 की तीसरी तिमाही में रियल एस्टेट धारणा सूचकांक' रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट रियल एस्टेट कंपनियों और वित्तीय संस्थानों की क्षेत्र के बारे में राय पर आधारित है। इस रिपोर्ट में रियल एस्टेट क्षेत्र, आर्थिक माहौल और कोष उपलब्धता के प्रति वर्तमान और भविष्य की धारणाओं को दिखाया गया है।

इस रिपोर्ट में 50 का अंक एक तटस्थ दृष्टिकोण या यथास्थिति बताता है वहीं 50 से ऊपर का स्कोर सकारात्मक भावना को दर्शाता है और 50 से नीचे का अंक नकारात्मक धारणा को दर्शाता है।

संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में अचानक संघर्ष शुरू होने और राष्ट्रों के बीच बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के कारण मौजूदा धारणा अंक जून, 2023 तिमाही के 63 से घटकर सितंबर तिमाही में 59 रह गया है।

परामर्श कंपनी ने कहा, "हालांकि भविष्य धारणा सूचकांक में 64 से 65 तक की मामूली बढोतरी देखी गई। इसका कारण त्योहारों के दौरान अपेक्षित अच्छी मांग के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि बनी रहने की उम्मीद है जिससे अगले छह महीनों के दौरान क्षेत्र को गति मिलने की आशा है।"

वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बढते दबाव के बीच खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी और स्थिर ब्याज दर ने 'रियल एस्टेट डेवलपर' और वित्तीय संस्थानों (बैंक, गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों आदि) को क्षेत्र को लेकर अधिक भरोसा दिया है।

नारडेको के अध्यक्ष हरि बाबू ने कहा, "हालिया भू-राजनीतिक अस्थिरता के परिणामस्वरूप मौजूदा धारणा सूचकांक में मामूली गिरावट देखी गई है, लेकिन मजबूत भविष्य धारणा सूचकांक भारतीय रियल एस्टेट उद्योग की क्षमता में स्थायी विश्वास को दर्शाता है।"

नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन/ एमडी शिशिर बैजल ने कहा,'विकसित अर्थव्यवस्थाओं में संघर्षों और उच्च मुद्रास्फीति के कारण उपजे अनिश्चित वैश्विक आर्थिक माहौल के बावजूद, भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती दिख रही है।

एलएंडटी सहायक कंपनी एलटीआईईएल में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली (भाषा)। एलएंडटी अपनी अनुषंगी कंपनी एलएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग लिमिटेड (एलटीआईईएल) में पूरी हिस्सेदारी फ्रांस की एक कंपनी को बेचेगी। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी यह विनिवेश अपने मूल कारोबार और परिसंपत्तियों पर पूरा ध्यान लगाने की प्रतिबद्धता के कारण कर रही है।

एलएंडटी ने एक बयान में कहा, "कंपनी एलएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग लिमिटेड में अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी।" एलटीआईईएल बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए एकीकृत इंजीनियरिंग परामर्श सेवाएं प्रदाता है। हिस्सेदारी का अधिग्रहण फ्रांस की एससिस्टम एसए की सहायक कंपनी एसटीयूपी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड करेगी। कुछ शर्तों के साथ यह समझौता अगले साल 15 जनवरी तक पूरा होने की संभावना है।

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अक्टूबर में सात महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली (भाषा)। भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अक्टूबर में सात महीने के निचले स्तर पर पहुंच गईं। प्रतिस्पर्धी स्थितियों और मूल्य दबावों के बीच उत्पादन तथा मांग में नरमी के कारण यह गिरावट आई है। एक मासिक सर्वेक्षण में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अक्टूबर में 58.4 पर पहुंच गया। यह सितंबर में 13 साल के उच्चतम स्तर पर 61 पर पहुंच गया था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों पर आधारित है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, " कई कंपनियां नए अनुबंध हासिल करने में कामयाब रहीं, लेकिन कुछ ने अपनी सेवाओं तथा प्रतिस्पर्धी स्थितियों की धीमी मांग को लेकर चिंता व्यक्त की।"

अक्टूबर के आंकड़ों में सितंबर 2014 में श्रृंखला शुरू होने के बाद से भारतीय सेवा कंपनियों को दिए गए अंतरराष्ट्रीय अनुबंधों में दूसरी सबसे तेज वृद्धि को दर्ज होने की बात सामने आई। सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले लोगों ने एशिया, यूरोप और अमेरिका में ग्राहकों से लाभ होने का उल्लेख किया। भारत में सेवा कंपनियों ने अक्टूबर में अपने खर्चों में वृद्धि दर्ज की जिसके लिए उन्होंने भोजन, ईंधन और कर्मचारियों की उच्च लागत को जिम्मेदार ठहराया। इस बीच एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अक्टूबर में 58.4 रहा, जो सितंबर में 61 था।

क्रिकेट : सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत

अफगानिस्तान की वर्ल्ड कप में हैट्रिक जीत, नीदरलैंड को सात विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

अफगानिस्तान ने आईसीसी वनडे विश्व कप मैच में शुक्रवार को यहां नीदरलैड को सात विकेट से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। अफगानिस्तान की सात मैचों में यह लगातार तीसरी और कुल चौथी जीत है। टीम अंक तालिका में आठ अंक के साथ पांचवें स्थान पर आ गई है। टीम को अगले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की मजबूत चुनौती से निपटना है। नीदरलैंड की यह सात मैचों में पांचवीं हार है।

अफगानिस्तान ने नीदरलैंड की पारी में 46.3 ओवर में 179 रन पर समेटने के बाद 31.3 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल किया। अफगानिस्तान के लिए कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 64 गेंद में छह चौकों की मदद से नाबाद 56 रन बनाने के अलावा रहमत शाह के साथ तीसरे विकेट के लिए 77 गेंद में 74 रन की साझेदारी की। रहमत ने 54 गेंद की पारी में आठ चौके लगाए। अजमतुल्लाह उमरजई ने एक बार फिर बल्ले से प्रभावित करते हुए 28 गेंद में तीन चौकों की मदद से 31 रन की पारी खेली और शाहिदी के साथ चौथे विकेट के लिए 53 गेंद में 52 रन की अटूट साझेदारी की।

एंजेलब्रेक्ट की फिफ्टी

साइब्रांड एंजेलब्रेक्ट (58 रन) की जुझारू पारी के बावजूद नीदरलैंड की टीम 46.3 ओवर में 179 रन पर आउट हो गयी। एंजेलब्रेक्ट ने एक छोर से विकेटों के पतन के बाद दूसरे छोर से अफगानिस्तान के स्पिनरों का डट कर सामना किया जिससे टीम 47वें ओवर तक बल्लेबाजी करने में सफल रही। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके लगाए।

अफगानिस्तान 5वें नंबर पर

अफगानिस्तान की टीम लगातार तीसरी जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर आ गई है। नीदरलैंड 4 पॉइंट्स के साथ 8वें नंबर पर है। डच टीम को सेमीफाइनल में बने रहने के लिए आखिरी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। लेकिन टीम के मैच इंग्लैंड और भारत से बाकी हैं, दोनों ही मैच जीतना उनके लिए मुश्किल होंगे। जबकि अफगानिस्तान के 2 मैच साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से बाकी हैं, दोनों मैच में जीतने पर 12 पॉइंट्स के साथ टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें ज्यादा रहेंगी। एक भी मैच हारने पर चांस कम हो जाएंगे और दोनों मैच हारने पर टीम लगभग बाहर ही हो जाएगी।

शीर्ष स्कोरर

क्विंटन डिकॉक
545 रन
दक्षिण अफ्रीका

शीर्ष विकेट टेकर

दिलशान मधुशंका
18 विकेट
श्रीलंका

वर्ल्ड कप : अंक तालिका

टीम	खेले	जीते	हारे	अंक
भारत	7	7	0	14
द. अफ्रीका	7	6	1	12
ऑस्ट्रेलिया	6	4	2	8
न्यूजीलैंड	7	4	3	8
अफगानिस्तान	7	4	3	8
पाकिस्तान	7	3	4	6
श्रीलंका	7	2	5	4
नीदरलैंड्स	7	2	5	4
बांग्लादेश	7	1	6	2
इंग्लैंड	6	1	5	2

नबी को तीन विकेट : अफगानिस्तान के लिए मैन ऑफ द मैच नबी ने तीन, नूर अहमद ने दो और मुजीब उर रहमान ने एक विकेट लिया।

स्कोर बोर्ड

नीदरलैंड	रन	गेंद	4	6
वेस्ली बारेसी पगबाधा मुजीब	01	04	0	0
मैक्स ओडोड रन आउट	42	40	9	0
कोलिन एकरमैन रन आउट	29	35	4	0
साइब्रांड एंजेलब्रेक्ट रन आउट	58	86	6	0
स्कॉट एडवर्ड्स रन आउट	00	01	0	0
डी लीडे का अलिखिल बो नबी	03	06	0	0
जुल्फिकार का अलीखिल बो नूर	03	15	0	0
वैन बीक स्ट अलीखिल बो नबी	02	13	0	0
वैन डर मर्व का जदरान बो नूर	11	33	0	0
आर्यन दत्त नाबाद	10	22	0	0
पॉल वैन मीकेरेन पगबाधा नबी	04	24	0	0

अतिरिक्त : 16, कुल : 46.3 ओवर में 179/10
गेंदबाजी : मुजीब 10-0-40-1, फारूकी 5-0-36-0, उमरजई 3-0-11-0, नबी 9.3-1-28-3, राशिद10-0-31-0, नूर 9-0-31-2.

अफगानिस्तान	रन	गेंद	4	6
गुरबाज का एडवर्ड बो वैन बीक	10	11	2	0
इब्राहिम जदरान बो वैन डर मर्व	20	34	2	0
शाह का एव बो जुल्फिकार	52	54	8	0
हशमतुल्लाह शाहिदी नाबाद	56	64	6	0
अजमतुल्लाह उमरजई नाबाद	31	28	3	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 31.3 ओवर में 181/3
गेंदबाजी : दत्त 8.3-0-49-0, वैन बीक 7-0-30-1, मीकेरेन 5-0-35-1, वैन डर मर्व 5-0-27-1, जुल्फिकार 3-0-25-1, एकरमैन 3-0-12-0.

टेनिस...

पेगुला डब्लूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंची

एजेंसी ▶▶| कैनकन

अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने सत्र के अंतिम टूर्नामेंट डब्ल्यूटीए फाइनल्स में मारिया सकारी को 6-3, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पांचवीं वरीयता प्राप्त पेगुला ने राउंड रॉबिन एकल अभियान 3-0 से समाप्त किया। पेगुला ने कैनकन में अभी तक सभी छह सेट जीते हैं और अब वह शनिवार को सेमीफाइनल में खेलेंगी।

इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने इस तरह आठ मैचों में चली आ रही विजयी लय जारी रखी जिसमें पिछले महीने कोरिया ओपन में खिताबी जीत भी शामिल है। नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और एलीना रिबाकिना के बीच मुकाबले से ग्रुप का दूसरा सेमीफाइनलिस्ट तय होगा। दूसरे ग्रुप में सेमीफाइनल के दो स्थान का फैसला अमेरिकी ओपन चैम्पियन कोको गॉफ और विम्बलडन चैम्पियन मार्केटा वोंद्रोयूसोवा तथा चार बार की मेजर चैम्पियन इगा स्वियाटेक और तीन बार की ग्रैंडस्लैम उप विजेता ओंस जाबेयूर के बीच होने वाले मुकाबलों से होगा।

भारतीय टीम 'पीबीजी ईगल्स' के लिए खेलेंगे दानिल मेदवेदेव

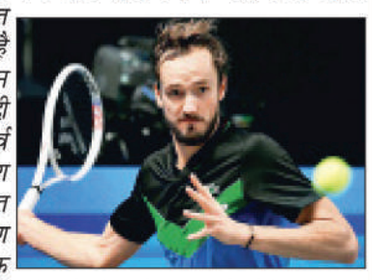

नई दिल्ली। अमेरिकी ओपन चैंपियन (2021) दानिल मेदवेदेव 21 दिसंबर से शुरू हो रहे साल के अंतिम टूर्नामेंट विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के दूसरे सत्र में भारतीय टीम 'पीबीजी ईगल्स' के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे और टीम में उनके साथी रूस के आंद्रे रुबलेव होंगे। भारतीय टीम पुनीत बालान ग्रुप की है जिसने खेलों में विभिन्न लीग में नौ टीमें खरीदी हुई हैं। इस लीग को पूर्व भारतीय खिलाड़ी महेश भूपति का समर्थन प्राप्त है जिसका दूसरा चरण 21 से 24 दिसंबर तक अबुधाबी में खेला जायेगा जिसमें दुनिया के 16 सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस साल विम्बलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे मेदवेदेव ने कहा, 'मैं अबुधाबी में विश्व टेनिस लीग के इस सत्र में जुड़ने से खुश हूं। मैं संयुक्त अरब अमीरात में कई दफा खेल चुका हूं और हमेशा वहां खेलने का आनंद लेता हूं। मैं इस साल वहां सकारात्मक तरीके से साल का अंत करने का लक्ष्य बनाये हूं।'

विदित ने नाकामुरा से ड्रॉ खेला वैशाली को मिलेट ड्रॉ पर रोका

आइल ऑफ मैन। सातवें दौर के बाद एकल रूप से शीर्ष पर रहे भारतीय ग्रैंड मास्टर विदित गुजराती अमेरिका के हिकारू नाकामुरा के साथ ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट के आठवें दौर में मुकाबला ड्रॉ करने के बाद संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। महिलाओं में फ्रांस की सोफी मिलेट के खिलाफ अच्छी स्थिति में होने के बाद आर वैशाली को ड्रा नतीजे से संतुष्ट होना पड़ा। अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारूआना, रूस के एंड्री एसिपेंको और रोमानिया के डीक बोगडान-डैनियल छह अंकों के साथ गुजराती के साथ शीर्ष स्थान पर हैं। ओपन सेक्शन में करीबी मुकाबले में दूसरे भारतीय, अर्जुन एरिगेसी ने यूक्रेन के यूरी कुजुबोव के साथ ड्रा खेला और 5.5 अंकों के साथ नौ खिलाड़ियों के समूह में हैं। वह शीर्ष दो में जगह पक्की करने की कोशिश कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

उपलब्धियों पर ध्यान लगाने का मंच नहीं

मुंबई। श्रीलंका के खिलाफ यहां 82 रन की पारी खेलने के बाद श्रेयस अय्यर आगामी मैचों में भारत के लिए शतक जमाने की उम्मीद लगाये हैं और उनका कहना है कि विश्व कप जैसे मंच पर व्यक्तिगत उपलब्धियां अहम नहीं होती हैं। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ आठ विकेट पर 357 रन का बड़ा स्कोर बनाया लेकिन कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं जड़ सका। उसके लिये शुभमन गिल ने 92, विराट कोहली ने 88 और अय्यर ने 81 रन की पारी खेली।

चोटिल तेज गेंदबाज मेट हैनरी विश्व कप से बाहर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हैनरी दायीं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण शुक्रवार को वनडे विश्व कप से बाहर हो गये और उनकी जगह काइल जैमीसन को शामिल किया गया। पुणे में बुधवार को न्यूजीलैंड के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के दौरान 31 वर्षीय हैनरी को यह चोट लगी थी और एमआरआई स्कैन में भी पुष्टि हो गयी कि उन्हें 'ग्रेड टू' की चोट लगी है जिससे उबरने में उन्हें कम से कम दो से चार हफ्तों का समय लगेगा। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने बेंगलुरु में कहा, 'हम उसके लिए काफी निराश हैं।'

हाफ मैराथन को झंडी दिखाएंगे तेंदुलकर

हैदराबाद। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर रविवार को यहां हैदराबाद हाफ मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस मैराथन में लगभग 8000 लोग भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजक एनईबी स्पोर्ट्स है और उसे तीन श्रेणियों हाफ मैराथन (21.1 किलोमीटर), 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर में आयोजित किया जाएगा। तेंदुलकर ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'जब दौड़ने की बात आती है तो लोग अपने लिए अलग-अलग चुनौतियां तय कर लेते हैं। किसी को अपने अभ्यास कार्यक्रम को जारी रखने की चिंता होती है तो कोई अपने आहार तो कोई फिटनेस के लिए दौड़ता है।

क्वालीफायर के लिए 28 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की घोषणा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुनील छेत्री, गुरप्रीत सिंह संधू और संदेश झिंगन सहित अधिकांश शीर्ष खिलाड़ियों को फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए शुक्रवार को मुख्य कोच इगोर स्टिमक द्वारा घोषित 28 सदस्यीय संभावित भारतीय खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया।

खिलाड़ियों की यह सूची फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे चरण और एएफसी एशियाई कप सऊदी अरब 2027 प्रारंभिक चरण के संयुक्त क्वालिफिकेशन के शुरुआती दो मैचों के लिए है। ब्लू टाइगर्स (भारतीय टीम) 16 नवंबर को कुवैत सिटी के जाबेर अल-अहमद अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में ग्रुप ए के अपने शुरुआती मैच में कुवैत का सामना करने के लिए तैयार हैं। टीम इसके बाद 21 नवंबर को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में कतर से भिड़ने के लिए स्वदेश लौटेंगी। क्वालीफायर से पहले तैयारी शिविर के लिए भारतीय टीम आठ नवंबर को दुबई रवाना होगी।

संभावित सूची

गोलकीपर- अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ। **डिफेंडर:** आकाश मिश्रा, लालचुंगनुंगा, मेहताब सिंह, निखिल पुजारी, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम, संदेश झिंगन, सुभाशीष बोस। **मिडफील्डर:** अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडीस, ग्लेन पीटर मार्टिंस, लालेंगमाविया, लिस्टन कोलासो, महेश सिंह नोरेम, नंदकुमार सेकर, रोहित कुमार, सहल अब्दुल समद, सुरेश सिंह वांगजाम, उदांता सिंह कुमाम। **फॉरवर्ड :** ईशान पंडिता, लालियानजुआला छांगते, मनवीर सिंह, राहुल कन्नोली प्रवीण, सुनील छेत्री, विक्रम प्रताप सिंह।

चयन के लिए निशानेबाजी ट्रायल्स मई में होगा

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ पेरिस में 2024 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए निशानेबाजी टीम का चयन करने के लिए अगले साल मई में चार चयन ट्रायल्स का आयोजन करेगा। एनआरएआई की तकनीकी समिति अगले कुछ दिन में निशानेबाजी की सभी स्पर्धाओं के लिए ओलंपिक चयन मानदंडों को मंजूरी दे सकती है लेकिन विश्व कप और विश्व चैंपियनशिप जैसी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले निशानेबाजों को बोनस अंक दिए जा सकते हैं।

भारी सुरक्षा के कारण पाक के खिलाड़ियों को हुई परेशानी

बेंगलुरु। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के निदेशक मिकी आर्थर ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा विश्व कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है भी एक बड़ी वजह है क्योंकि इससे वह होटल के कमरों तक ही सीमित रह गये है। पाकिस्तान अपने सात में से चार मैच हार चुका है और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उसे बाकी दोनों मैच जीतने होंगे। टीम शनिवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान में उतरेगी। आर्थर ने मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हमारे लिए सबसे मुश्किल स्थिति यह है कि हम कड़ी सुरक्षा के बीच हैं और सच कहूँ तो मुझे यह कठिन लगा। यह लगभग वैसा ही है जैसे हम फिर से कोविड काल में आ गए हैं। आप यहां होटल में आप अपनी मंजिल और अपनी टीम के कमरे तक ही सीमित रहते है।

शुभंकर...

लखनऊ। शुक्रवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में नीदरलैंड और अफगानिस्तान के बीच मैच के दौरान आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 का शुभंकर।

स्टोक्स करवाएंगे घुटने की सर्जरी

अहमदाबाद। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स मौजूदा विश्व कप के बाद भारत में अगले साल होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले पूरी फिटनेस हासिल करने के लिए घुटने की सर्जरी कराने के लिए तैयार हैं। बत्तीस साल के स्टोक्स पिछले 18 महीनों से घुटने की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने इससे पहले जुलाई में एशेज श्रृंखला के बाद इस सर्जरी की योजना बनाई थी लेकिन वनडे विश्व कप में खेलने के लिए संन्यास से वापसी करने पर फैसले को टाल दिया।

भारत को दक्षिण कोरिया पर मनोवैज्ञानिक बढ़त

एजेंसी ▶▶| रांची

प्रतियोगिता में अब तक अजेय रही भारतीय टीम महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल में मनोवैज्ञानिक बढ़त के साथ मैदान पर उतरेगी क्योंकि उसने लीग चरण में अपने इस प्रतिद्वंद्वी को हराया था। भारत ने गुरुवार को कोरिया को 5-0 से पराजित किया था। इस तरह से उसने राउंड रोबिन लीग चरण में अपने सभी मैच जीते। भारतीय टीम लीग चरण में पांच मैच में 15 अंक लेकर शीर्ष पर रही थी। दूसरी तरफ कोरिया दो जीत, दो हार और एक ड्रॉ से सात अंक लेकर चौथे स्थान पर रहा था।

सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मजबूती से आगे बढ़ रहे कंगारू

आस्ट्रेलिया पर पलटवार करना चाहेगी इंग्लैंड की टीम

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के लिए इस विश्व कप में हालात बिलकुल ही अलग रहे हैं जहां एक टीम विश्व कप तालिका में सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मजबूती से आगे बढ़ रही है तो वहीं दूसरी निचले पायदान पर है। अब शनिवार को एशेज श्रृंखला की दोनों प्रतिद्वंद्वी टीमें आमने सामने होंगी जिसमें उनकी कोशिश एक दूसरे को हराने की होगी।

पांच बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया ने अपनी बल्लेबाजी की बदौलत लगातार चार जीत से अपने खराब अभियान को पटरी पर वापसी करायी जिससे वह आठ अंक लेकर तीसरे स्थान पर चल रही है। गत चैम्पियन इंग्लैंड को अपने बल्लेबाजों की विफलता के कारण चार हार का सामना करना पड़ा और टीम पिछले तीन मैचों में 170 रन या इससे कम के स्कोर पर आउट हो गयी। इस मैच से पहले दोनों टीम अलग अलग तरह की समस्याओं से जूझ रही हैं। आस्ट्रेलिया को अपने दो अहम खिलाड़ियों मिशेल मार्श और ग्लेन मैक्सवेल की अनुपलब्धता के लिए विकल्प ढूंढने होंगे।

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को जीत की दरकार

बेंगलुरु। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहा न्यूजीलैंड शनिवार को यहां विश्व कप के अपने महत्वपूर्ण मैच में पाकिस्तान से भिड़ेगा जिसमें दोनों टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की कोशिश के तहत जीत हासिल करने के लिए बेताब होंगी। टूर्नामेंट में अच्छी शुरूआत के बाद दोनों टीमों का भाग्य बदल गया जिससे दोनों सेमीफाइनल की दौड़ में मुश्किल स्थिति में पहुंच गई। लगातार चार जीत से शुरूआत करने वाली न्यूजीलैंड की लय पर लगाम लग गयी तथा उसे भारत, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से लगातार हार का सामना करना पड़ा। इससे उसके सात मैचों में आठ अंक हैं। वहीं पाकिस्तान की हालत तो और खराब है जिसके सात मैचों में छह अंक हैं। मैदान की निराशा के अलावा न्यूजीलैंड को अपने चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से भी जूझना होगा क्योंकि तेज गेंदबाज मैट हैनरी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये। इससे न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को टीम में शामिल किया।

दिवाली पर बना रहे घूमने का प्लान तो लिस्ट में शामिल करें ये जगहें, खास हो जाएगी आपकी ट्रिप

दिवाली पर कई दिनों की छुट्टियां मिलती हैं। ऐसे में कई लोग इन दिनों में वेकेशन प्लान कर लेते हैं। क्योंकि लोग अक्सर इस बीच मिलने वाली छुट्टियों में शनिवार और संडे को भी शामिल कर लेते हैं। ऐसे में घूमने के शौकीन लोग पांच या सात दिन का वेकेशन प्लान कर लेते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस दिवाली की छुट्टियों पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो बता दें हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर जाकर आप दिवाली इंज्वॉय कर सकते हैं और साथ ही अपनी छुट्टियां भी मना सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

अयोध्या– आपको बता दें कि अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मस्थली है। जिसके कारण यहां पर दिवाली पर कुछ अलग ही रौनक देखने को मिलती है। दिवाली के मौके पर अयोध्या नगर को दुल्हन की तरह सजाया जाता है। बता दें कि दिवाली के मौके पर यहां एक साथ तीन लाख दिए जलाए गए थे। यह गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल हो गया था। ऐसे में आप दिवाली के मौके पर अयोध्या घूमने के लिए आ सकते हैं।

अमृतसर– वैसे तो अमृतसर मुख्य तौर पर गोल्डन टेंपल के लिए जाना जाता है। लेकिन अमृतसर में दिवाली का पर्व बेहद अलग अंदाज में मनाया जाता है। अगर आप भी दिवाली की छुट्टियों में अमृतसर जाने का प्लान बना रहे हैं। तो बता दें कि यहां पर आप होने वाली आतिशबाजी का लुत्फ भी उठा सकते हैं। दिवाली पर जलने वाले दिए, लाइटें और आतिशबाजी माहौल को बहुत ज्यादा खूबसूरत बना देती हैं।

वाराणसी– वाराणसी हिंदू के लिए बेहद खास जगह है। ऐसे में दिवाली की छुट्टियों में आप वाराणसी घूमने का प्लान बना सकते हैं। यहां पर रात भर होने वाली आतिशबाजी का लुत्फ उठा सकते हैं। बता दें कि दिवाली के मौके पर आपको वाराणसी में गंगा आरती में शामिल होना चाहिए। गंगा आरती के बाद घाटों पर दिए और मोमबत्ती जलाए जाते हैं। फिर इन दियों को गंगा में बहाया जाता है। नदी में जलते हुए दियों को देखने का अलग ही नजारा होता है।

उदयपुर– दिवाली मनाने के लिए उदयपुर भी एक लोकप्रिय जगह है। दिवाली के मौके पर उदयपुर को रोशनी और आतिशबाजी से सजाया और रोशन किया जाता है। यह पिछोला झील के ऊपर रिफ्लेक्ट होता है। इसके अलावा आप यहां पर उदयपुर लाइट फेस्टिवल में भी शामिल हो सकते हैं। उदयपुर लाइट फेस्टिवल सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है।

नॉन सर्जिकल राइनोप्लास्टी

इससे बिना आपरेशन भी नाक को बना सकते हैं सुंदर

बहुत से लोगों को अपनी नाक पसंद नहीं आती। यह प्रवृत्ति महिलाओं और ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़े लोगों में आम होती है। खूबसूरत दिखने की चाह में वे अपनी नाक से संतुष्ट नहीं होते। आजकल युवा महिला हो या पुरुष अपनी नाक में कुछ न कुछ परिवर्तन कराना चाहते हैं। सर्जरी द्वारा नाक को सुडौल बनाने के बारे में तो आज लगभग सभी लोग जानते हैं लेकिन क्या बिना ऑपरेशन (सर्जरी) के भी नाक को सुंदर बनाया जा सकता है? वर्तमान समय में इस प्रश्न का उत्तर हां है। सहारा हास्पिटल के माइक्रोवैस्कुलर और प्लास्टिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. अनुराग पांडे ने बताया कि आज प्लास्टिक सर्जन्स के पास ऐसे कई तरीके मौजूद हैं, जिनकी मदद से बिना ऑपरेशन किये भी नाक को सुधारकर सुडौल बनाया जा सकता है।

किसी तरह की नाकों के लिए यह विधि उपयोगी

- चौड़ी नाक (ब्राड एलर बेस)
- दबी हुई नाक (डिप्रेस्ड नोज)
- नाक में गडढ़े या उभार होना

सहारा हास्पिटल के माइक्रोवैस्कुलर और प्लास्टिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ.अनुराग पांडे

क्या है विधि

- जिन लोगों की नाक निचले हिस्से में ज्यादा चौड़ी होती है लेकिन ऊपर का हिस्सा ठीक होता है उनको नाक का निचला हिस्सा थ्रेड्स के द्वारा संकरा किया जा सकता है। जिनकी नाक दबी हुई होती है (जैसे बाइंडर्स सिंड्रोम आदि) उनकी नाक को फिलर्स के द्वारा या थ्रेड्स डालकर उभार दिया जा सकता है। यदि नाक ऊंची-नीची दिखायी देती है (डिप्रेशनस इन नेसल डार्सम) उनके गडढों की भी फिलर्स द्वारा भरा जा सकता है और नाक की सुडौल बना सकते हैं।

एनस्थीशिया की जरूरत नहीं पड़ती

- ये सभी तरीके बिना एनस्थीशिया (बेहोश किए) दिए, बिना किसी चीर-फाड़ (सर्जरी) किए जा सकते है। इनके लिए मरीज को भर्ती करना भी आवश्यक नहीं होता है। 15 मिनट से 45 मिनट की प्रक्रिया के बाद मरीज अपने घर या अपने काम पर जा सकता है।

कोई साइड इफेक्ट नहीं

- अनुभवी प्लास्टिक सर्जन्स द्वारा की गयी इन प्रक्रियाओं के बाद मरीजों की नाक पर सूजन के अलावा कोई और साइड इफेक्ट प्रायः नहीं होता और वो भी 2-5 दिनों में चली जाती है।

सहारा इंडिया परिवार के सीनियर एडवाइजर श्री अनिल विक्रम सिंह के अनुसार हमारे अभिभावक माननीय 'सहाराश्री' जी ने लखनऊ शहर में अत्याधुनिक उपकरणों सहित 50 से भी अधिक विभागों से युक्त जनमानस की सुविधा हेतु सहारा हास्पिटल सौगात के रूप में दिया है जहां कुशल एवं अनुभवी चिकित्सकों की टीम निरंतर बेहतर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएं उचित मूल्य पर दे रही है। श्री सिंह ने बताया कि सहारा हास्पिटल में प्लास्टिक माइक्रोवस्कुलर और पुनर्निर्माण सर्जरी विभाग से संबंधित पूरा अत्याधुनिक उपचार उचित दरों पर उपलब्ध है। कई मरीज सहारा हॉस्पिटल में सफल राइनोप्लास्टी करवाकर लाभान्वित हो चुके है और निरंतर इन सफलताओं की तरफ अग्रसर जारी है। हास्पिटल की हेल्प डेस्क के नम्बर-05226780001/0002 पर जरूरतमंद सातों दिन चौबीस घंटे सम्पर्क कर सकते है।

श्रीकृष्ण की कृपा रही तो लोकसभा चुनाव लड़ूंगी
कंगना रनौत

देवभूमि द्वारका (भाषा)। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने शुक्रवार को चुनावी राजनीति में उतरने का संकेत देते हुए कहा कि अगर भगवान कृष्ण की कृपा रही तो वह अगला लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। कंगना आज सुबह भगवान कृष्ण के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए यहां आई थीं।

पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि क्या वह अगला लोकसभा चुनाव लड़ेंगी, तब कंगना ने कहा, 'श्री कृष्ण की कृपा रही तो लड़ेंगे।' उन्होंने '600 वर्षों के संघर्ष के बाद' अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को संभव बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रशंसा की।

अभिनेत्री ने कहा, 'भाजपा सरकार के प्रयासों से हम भारतीयों को 600 वर्षों के संघर्ष के बाद यह दिन देखने को मिला है। हम बड़े धूमधाम के साथ मंदिर की स्थापना करेंगे। सनातन धर्म का ध्वज पूरे विश्व में फहराया जाना चाहिए।' अपनी हाल में रिलीज हुई फिल्म 'तेजस' में कंगना वायुसेना के पायलट का किरदार निभा रही हैं। कंगना ने सरकार से तीर्थयात्रियों को समुद्र के नीचे डूबे प्राचीन द्वारका शहर के अवशेषों को देखने की अनुमति देने के लिए उपाय करने का भी आग्रह किया।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'मैं हमेशा कहती हूं कि द्वारका एक दिव्य नगरी है। यहां सब कुछ अद्भुत है। द्वारिकाधीश कण-कण में विद्यमान हैं। जब हम उन्हें देखते हैं तो मैं धन्य हो जाती हूं। मैं हमेशा कोशिश करती हूं कि जितना संभव हो सके, यहां आकर भगवान के दर्शन कर सकूं। जब भी मुझे काम से थोड़ी फुर्सत मिलती है, मैं आ जाती हूं।'उन्होंने कहा, 'पानी में डूबी द्वारका नगरी को ऊपर से भी देखा जा सकता है। मैं चाहूंगी कि सरकार ऐसी सुविधा दे कि लोग पानी के अंदर जाकर अवशेषों को देख सकें। मेरे लिए कृष्ण की नगरी स्वर्ग के समान है।'कंगना ने अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में भी बात की, जिनमें उनके द्वारा निर्देशित और निर्मित 'इमरजेंसी'' और 'तनु वेड्स मनु पार्ट 3' शामिल हैं।

विदेशी कलाकार बढ़ाएंगे दीपोत्सव में रामलीला की शोभा

अयोध्या (आईएएनएस)। अयोध्या में दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए कई प्रकार के आयोजन हो रहे हैं। अयोध्या शोध संस्थान भी तीन दिवसीय रामलीला का आयोजन करेगा जिसमें देश से ही नहीं विदेश के भी कलाकार मंचन कर आयोजन की शोभा बढ़ाएंगे। अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक लवकुश द्विवेदी ने बताया कार्यक्रम में भव्य शोभायात्रा, रामलीला झांकी, स्थानीय, प्रादेशिक, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रामलीलाएं आयोजित की जाएगी। इसके अलावा रामायण मेले का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अयोध्या में दीपोत्सव से आयोजित होने वाली रामलीला में चार देश -- रूस, श्रीलंका, सिंगापुर एवं नेपाल के कलाकारों की ओर से रामलीलाओं का मंचन किया जाएगा। इसके अलावा देश के 21 प्रदेशों की रामलीला, रामायण परंपरा पर आधारित लोक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया जाएगा।

इसके लिए लगभग ढाई हजार कलाकार अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह कार्यक्रम राम कथा पार्क के मुख्य मंच पर सायंकालीन विदेशी रामलीला से प्रारंभ होगा। इसके अलावा अन्य विशेष मंचों में रामघाट, बिरला धर्मशाला, बड़ी देवकाली, गुप्तार घाट तथा भरत कुंड में तीन दिवसीय भजन कीर्तन एवं रामलीलाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अयोध्या में दीपोत्सव से पूर्व आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में वैश्विक राम विषयक रामायण प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। राम सीता स्वरूप प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाना है। अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक ने बताया स्कूली बच्चों द्वारा राम कथा के विभिन्न प्रसंगों पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 125 फीट लम्बे कैनवास पर अवध के राम का चित्रांकन भी किया जाएगा।

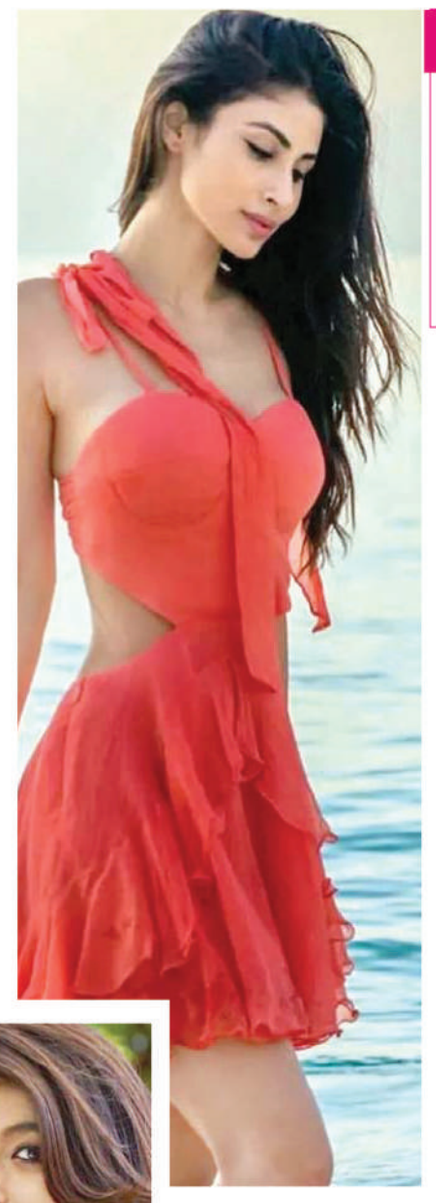

इंडिया गॉट टैलेंट के ग्रैंड फिनाले में शामिल होंगे करण जौहर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर इंडिया गॉट टैलेंट के ग्रैड फिनाले में जज पैनल में शामिल होंगे। इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर रियलिटी शो, इंडिया गॉट टैलेंट,'हुनर का विश्व कप' का ग्रैड फिनाले होगा। टॉप 6 फाइनलिस्ट - अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी, महिला बैंड, गोल्डन गर्ल्स, जीरो डिग्री, राग फ्यूजन और द एआरटी, इंडिया गॉट टैलेंट की प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने के लिए आखिरी बार इस प्रतिष्ठित मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। ग्रैड फिनाले में फैशन एक्सपर्ट करण जौहर ,किरण खेर, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और बादशाह के साथ जज पैनल में शामिल होंगे।

ताहिरा कश्यप की फिल्म का मामी फिल्म फेस्टिवल में होगा प्रीमियर

मुंबई (आईएएनएस)। फिल्म निर्देशक, लेखिका और निर्माता ताहिरा कश्यप खुराना की पहली फीचर फिल्म 'शर्माजी की बेटी' का मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर किया जाएगा। इसको लेकर ताहिरा ने अपनी खुशी जाहिर की है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। ताहिरा के निर्देशन में बनी लघु फिल्म 'टॉफी' ने पहले दर्शकों से प्रशंसा बटोरी थी। ताहिरा को अपने पति आयुष्मान खुराना के साथ फेस्टिवल में शामिल होते देखा गया और उन्होंने फिल्म के बारे में बात की। उन्होंने कहा किमुझे लगता है कि मामी ने हमेशा मुझे उड़ने के लिए पंख दिए हैं और एक बार फिर उसने ऐसा किया है।

'शर्माजी की बेटी' आधुनिक, मध्यवगीय महिला अनुभव और शहरी महिलाओं के जीवन के बारे में है। फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर हैं।

टेम्पटेशन आइलैंड

में पर्सनल एक्सपीरियंस से दूंगी सलाह -मौनी रॉय

मुंबई (आईएएनएस)। मशहूर एक्ट्रेस व 'टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया' की होस्ट मौनी रॉय ने कहा कि वह शो में कपल्स को सलाह देते समय अपने पर्सनल एक्सपीरियंस का इस्तेमाल करेंगी, लेकिन उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में वहां चर्चा नहीं की जाएगी। अमेरिकी का मशहूर रियलिटी शो 'टेम्पटेशन आइलैंड' आखिरकार अपने पहले सीजन के साथ भारत आ रहा है। टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया को करण कुंद्रा और मौनी रॉय होस्ट करेंगे। 3 नवम्बर को प्रीमियर होने वाला यह शो हर दिन जियो सिनेमा पर रात 8 बजे स्ट्रीम होगा। मौनी रॉय ने शो के बारे में बताया कि उनके लिए कपल्स को सलाह देना कितना मुश्किल है। यह शो कपल्स के पर्सनल लाइफ पर चर्चा के बारे में है। जब उनसे उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं कपल्स को सलाह देते समय केवल अपने पर्सनल एक्सपीरियंस का इस्तेमाल करूंगी। मेरी पर्सनल लाइफ की चर्चा यहां नहीं की जाएगी। मुझे लगता है कि आपके जीवन के अनुभव लोगों को सलाह देते समय आपकी बहुत मदद करते हैं। शो के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं इस शो के लिए बहुत उत्साहित हूं। अमेरिका में इसके कई सीजन पहले ही हो चुके हैं लेकिन भारत में यह पहली बार है। दर्शकों को कुछ नया और अलग देखने को मिलेगा। यह एक ऐसा शो है जहां इसमें बहुत सारा ड्रामा और इमोशन्स होंगे। मैं शो के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने का इंतजार कर रही हूं। शो में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंकपल्स को सलाह दूंगी।

प्रदीप पांडेय चिंटू की फिल्म विवाह 3 का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता प्रदीप पांडेय चिंटू की आने वाली फिल्म विवाह 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। विवाह 3 मेंप्रदीप पांडेय चिंटू मुख्य भूमिका में नार आने वाले हैं, वहीं आम्रपाली दुबे चिंटू के अपोजिट मुख्य भूमिका में है। यह फिल्म यशी फिल्म्स ,अभय सिन्हा और रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत और निशांत उज्जवल निर्मित है। इस फिल्म का निर्देशन रजनीश मिश्रा ने किया है। विवाह 3 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।

क्रिएटर्स के लिए फेसबुक पर नया टूल लाया मेटा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। मेटा ने फेसबुक पर आगे बढ़ने के लिए क्रिएटर्स के लिए अपने कंटेंट को टेस्ट करने और परफॉर्मेंस को समझने के लिए नए तरीकों की घोषणा की है, जिसमें यह टेस्ट करने की क्षमता भी शामिल है कि प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग

रील कैसा परफॉर्म कर रही हैं। कंपनी ने कहा कि वह एक रील्स ए/बी टेस्टिंग टूल ला रही है जो क्रिएटर्स को अपने मोबाइल डिवाइस पर अलग-अलग कैप्शन और थंबनेल के टेस्टिंग करने की अनुमति देता है ताकि यह देखा जा सके कि कौन सा सबसे अच्छा परफॉर्म कर रहा है। मेटा ने कहा,अब आप अपने मौजूदा वीडियो पोस्ट और लाइवस्ट्रीम से भी आसानी से रील बना सकते हैं।

'आर्या' से भी बेस्ट बहुत कुछ आना बाकी
सुष्मिता सेन

मुंबई (आईएएनएस)। सुष्मिता सेन ने कहा कि वेब सीरीज 'आर्या' उनका बेस्ट काम नहीं है। उनके पास दर्शकों को पेश करने के लिए और भी बहुत कुछ है। सुष्मिता सेन एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्हें अपने शो 'आर्या' के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपने एक्टिंग स्किल्स को दिखाने का शानदार मौका मिला है। टीम के दो शानदार सीजन चुके हैं और अब वे अपने तीसरे सीजन के साथ वापस आ गई हैं, जो 3 नवम्बर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुआ। एक्ट्रेस ने अपने तीसरे सीजन के साथ आने वाले शो के बारे में बात की, इसका उनकी फिल्मोग्राफी पर क्या प्रभाव पड़ा है के अलावा और भी बहुत कुछ। उन्होंने कहा, सब कुछ। मेरे पास राम माधवानी जैसा इंस्टिट्यूट था, जो मुझे एक फिल्म के 40 दिन से अधिक नहीं बल्कि तीन सीजन के 60-60-60 दिन और आने वाले समय के बारे में सिखाते थे। एक कलाकार के तौर पर मैं बड़ी हुई हूं। लेकिन अगर आप कहें कि यह मेरा बेस्ट काम है, तो मैं कहूंगी 'नहीं'। अभी बहुत कुछ आना बाकी है। इसने मेरे अंदर एक कलाकार की प्यास को फिर से जगा दिया है। मुझे ऐसे महान अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला, जिनके साथ आप उचित तैयारी के बिना काम नहीं कर सकते। मेरे पास कई हिट गाने, हिट फिल्में थीं, लेकिन मेरे जीवन में कभी 'आर्या' नहीं थी।

सलमान खान ने नियम तोड़ने के लिए अंकिता, विक्की की क्लास लगाई

मुंबई (आईएएनएस)। रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' में शो के नियम तोड़ने को लेकर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान विक्की जैन और अंकिता लोखंडे को फटकार लगाते नजर आएंगे। प्रोमो के अनुसार वीकेंड का वार के आगामी एपिसोड में सलमान शो में प्रवेश करने से पहले विक्की के घर के सदस्य नील भट्ट तक पहुंचने का विषय उठाते हुए दिखाई देंगे, जो शो के प्रसारण से पहले अन्य प्रतियोगियों के साथ जुड़ने के नियमों के खिलाफ है। नए प्रोमो में सलमान शो में प्रवेश करने से पहले नील के साथ उनके गुप्त फोन कॉल के बारे में बात करते नजर आएंगे। सलमान ने प्रतियोगियों से पूछाः आप लोगों ने जो अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे, उसमें इस शो के सभी नियम और शर्तों का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था। आप में से कितने लोगों ने अनुबंध का स्पष्ट रूप से सम्मान किया है? घर में प्रवेश करने से पहले किसने किससे बात की है? विक्की जवाब देते हैंः सर, मैंने शो में प्रवेश करने से दो दिन पहले नील से बात की थी। सलमान फिर अंकिता से सवाल करते हैंः क्या आप जानते हैं कि विक्की ने नील से बात की थी? इस पर वह जवाब देती है कि उसे बाद में पता चला। एक हाई प्रोफाइल वकील सना रईस खान से बात करते हुए सलमान ने उनसे पूछा कि इसका मतलब क्या हो सकता है, उन्होंने कहा, वायाकॉम को उन्हें बेदखल करने या उनकी आगे की भागीदारी को बंद करने का अधिकार है।

बनारस रंग महोत्सव की तृतीय संध्या पर शोभनाथ द्वारा कठपुतली के माध्यम से मुंशी प्रेम द्वारा रचित पंच परमेश्वर की दिखाई गयी कहानी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस रंग महोत्सव की तृतीय संध्या की शुरूआत शोभनाथ जी द्वारा कठपुतली के माध्यम से कजरी नृत्य , कजरी गायन तत्पश्चात कठपुतली के माध्यम से मुंशी प्रेम द्वारा रचित पंच परमेश्वर की कहानी दिखाई गयी` पंच परमेश्वर उनके द्वारा लिखी पहली कहानी है इस कहानी में दो मित्रों जुम्मन शेख और अलगू चौधरी को मित्रता और शत्रुता की पृष्ठभूमि को आधार बनाकर पौराणिक सामाजिक न्याय व्यवस्था पंचैती में पंत के पद की मार्यदा, गरिमा और प्रतिष्ठा का जीवंत और नैसर्गिक सिद्ध करने का प्रयास किया है इस कठपुतली द्वारा दिखाई गई कहानी से कलाकारों ने न्यायाधीश या पांचों के अंदर न्याय करने की शक्ति को ईश्वरीय बताकर न्याय की महत्ता लोगो को समझाई और सच्चाई के रास्ते पर चलने की सिख देता है जिसके बाद राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सिक्किम रंगमंडल द्वारा भास भरतम नाटक की प्रस्तुति हुई जिसमे चरण और भट्ट के माध्यम से नाटक की कथावस्तु को प्रेक्षकों तक पहुंचाया गया चरण और भट्ट भारतीय नाट्यपद्द के सबसे प्राचीन कथावाचक में से एक है ये नाटक महाकवि भास के चार महान नाटकों का एक सम्मिश्रण था इसमें पंचरात्रम जो कि महाभारत में पांडवो के अज्ञातवास के वक्त गुरु द्रोण द्वारा दुर्योधन से गुरुदक्षिणा के रूप में पांडवो को उनके हिस्से का राज्य उन्हें लौटने की मांग को दशार्ता है। निर्देशक ने नाटक की कथा को कथावाचकों के माध्यम से बीच में ही रुकवाकर महाकवि भास की लेखन शैली को वेद व्यास के मूल महाभारत की कथा को अपने अनुसार नाटक में परिवर्तित कर देने पर सवाल खड़े किए क्युकी मूल नाटक में भास ने द्रोणाचार्य द्वारा मांगे गए गुरुदक्षिणा को शकुनी के प्रयासों को विफल

करते हुए दुर्योधन द्वारा पांडवो को उनका राज्य लौटा देना दशार्या है इसी कड़ी में सूत्रधार नाटक को आगे बढ़ाते हुए कर्णभारम नाटक जिसमे कुंती द्वारा कर्ण को अर्जुन से युद्ध के पूर्व अपना पुत्र एवं पांडवो का जेष्ठ भाई होने की बात से अवगत कराया। तत्पश्चात नाटक दूत्वकायम एवं उरूभंगम जिसमे दुर्योधन की जांघ पर भीम के प्रहार के माध्यम से धर्म अधर्म का पाठ दशार्या गया` नाटक के अंत में सूत्रधारों ने पुनः भास की रचनाशैली पर प्रश्न उठाए तथा स्वयं ही उसका उत्तर देते हुए दर्शकों को ये बतलाया कि भास अपनी रचना में बार बार महाभारत के युद्ध को रोकने का प्रयास दशार्ते हुए दर्शकों को प्रलयंकारी युद्ध से विमुख रखने का प्रयास करते है ये नाटक भारत मुनि द्वारा लिखित नाट्यशाष्ट्रीय शैली पर आधारित है इस नाटक का नाट्यरूपांतरण आसिफ अली तथा निर्देशन पियाल भट्टाचार्य ने किया। सूत्रधार की भूमिका में तिला रूपा , सुकन्या , चंद्रिका थी दुर्योधन की भूमिका में सत्यम , कृष्ण की भूमिका में दीपक , कर्ण को भूमिका में आदर्श तथा अन्य में श्यामा , तुषार , रंजना , उत्तम , एवम आदि थे` राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय सिक्किम रंगमंडल विशेष रूप से बनारस रंग महोत्सव में अपनी प्रस्तुति देने के लिए सिक्किम से आई थी महोत्सव निदेशक गुंजन शुक्ला ने रंगमंडल का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया। इस मौके पर भारत के प्रख्यात रंगकर्मी संजय उपाध्याय ,प्रवीण कुमार तथा संस्कार भारती काशी प्रांत के संगठन मंत्री दीपक शर्मा मौजूद थे आज इसी कड़ी में बनारस रंग महोत्सव के चौथे दिन बनारस की प्राचीनतम संस्था श्री नागरी नाटक मंडली न्यास अपना नाटक डेढ़ इंच ऊपर प्रस्तुत करेगी जिसमे बनारस के वरिष्ठ रंगकर्मी डा संजय मेहता स्वयं अभिनय करेंगे।

परीक्षा समिति विद्या परिषद से अनुमोदित गोल्ड मेडल की सूची में हुआ परिवर्तन

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह की तैयारी को लेकर दिन-रे जुटा हुआ है वहीं गोल्ड सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले गोल्ड मेडल की सूची में विद्या परिषद परीक्षा समिति के अनुमोदन के बाद परिवर्तन किया गया। यह गड़बड़ी एजेंसी के द्वारा की गई थी। जिसे लेकर तमाम सवाल उठने लगे हैं। दीक्षांत समारोह में सम्मानित करने के लिए वर्ष 2023 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले स्नातक परास्नातक के गोल्ड मेडल की सूची तैयार की गई और सूची जारी करके विश्वविद्यालय ने आपत्ति भी मांगा जिसके बाद सूची में परिवर्तन हुआ। फाइनल सूची पर बैठक कर निर्णय किया गया। इस बाद परीक्षा समिति , विद्या परिषद की बैठक हुई । जिसमें सूची को अनुमोदित किया गया और सभी सूची धारकों को लेटर भी विश्वविद्यालय जारी कर दिया इस क्रम में फिलासफी में आदर्श वर्मा टीडी कॉलेज जौनपुर, पॉलिटिकल साइंस में श्वेता सिंह टीडी कॉलेज जौनपुर, संस्कृत में अंकित सिंह टीडी कॉलेज जौनपुर, सोशलॉजी में दीपिका मिश्रा टीडी कॉलेज जौनपुर का नाम शामिल था । जिसे परीक्षा समिति विद्या परिषद ने अनुमोदन कर फाइनल कर दिया और इन छात्रों में भी खुशी थी। लेकिन जब टीडी कॉलेज को उनकी जानकारी हुई ऐसे छात्रों की नाम तलाश में लगा तो संस्थागत छात्रों में एक भी छात्र नहीं पाए गए । जिसने टीडी कॉलेज ने विश्वविद्यालय में आपत्ति दर्ज कर दी कि यह पात्र छात्र नहीं है और किस तरह आए , खोजबीन की गई तो पता चला यह चारों छात्र प्राइवेट हैं। एजेंसी की इतनी बड़ी लापरवाही के चलते इनका परीक्षा समिति, विद्या परिषद से सूची का अनुमोदन हो गया। जब मामले का खुलासा हुआ तो विश्वविद्यालय के हाथ पैर फूल गए। आनंद फानन में बिना परीक्षा समिति विद्या परिषद को खबर दिए ही सूची में परिवर्तन किया गया जिसके बाद अब फिलासफी में तोता मैना बुअरडीकर मडियाहू पीजी कॉलेज, पॉलिटिकल साइंस में शाह जैनिस कुमार राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुजानगंज जौनपुर, संस्कृत में कामना पांडे टीडी कॉलेज जौनपुर, सोशियोलॉजी में अनुज पटेल रघुनंदन केसु किशन देव महाविद्यालय देवचंदपुर गाजीपुर का नाम पात्रता की सूची में आया और उसे सूची में शामिल किया गया ।उधर पुराने छात्रों ने विरोध जताया कि हमें सूची में शामिल कर बाहर किस लिए किया गया है। इधर सही छात्रों का नाम आने से सभी ने खुशी जाहिर किया। विश्वविद्यालय की यह लापरवाही में काफी लोगों ने सवाल खड़े कर दिए कि अगर कर्मचारियों की गड़बड़ी होती तो उनके नाम सीधे एफआईआर दर्ज कर दिया जाता और एजेंसी की गड़बड़ी है उसे पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस मामले पर परीक्षा नियंत्रक बीएन सिंह की भी जिम्मेदारी बनती थी और लेकिन बिना परीक्षा समिति और विद्या परिषद के अनुमोदन के इन चार छात्रों का नाम तो शामिल कर लिया गया । अभी इन्हें कार्य परिषद में रखा जाएगा जिसमें उनके नाम पर मुहर लगेगी ।कई कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि इस मामले एजेंसी व परीक्षा नियंत्रक के ऊपर कार्रवाई होना चाहिए । बता दे गोल्ड मेडल सूची में अब स्नातक में छात्रों की संख्या 20 हो गई है। स्नातकोत्तर में छात्रों की संख्या 48 है।

विज्ञान प्रदर्शनी में झलकी बच्चों की वैज्ञानिक प्रतिभा

प्रखर पूर्वांचल सहजनवा, गोरखपुर। मुरारी इंटर कालेज, सहजनवा में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा विज्ञान के कुल 103 माडल प्रस्तुत किए गए कार्यों। कार्यक्रम का उद्घाटन सहजनवा विधायक प्रदीप शुक्ला द्वारा मां सरस्वती को पुष्प चढ़ा कर व दीप जलाकर किया गया । इस मौके पर विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा कि बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक माडल बनाया गया है । बाल वैज्ञानिक भविष्य के वैज्ञानिक हैं । बच्चों को निरंतर नई सोच के प्रति प्रेरित करने एवं अवसर प्रदान करने की जरूरत हैं । वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक गोरखपुर डा० अमर कांत सिंह ने कहा कि वर्तमान समय विज्ञान का समय है । इसके बिना जीवन संभव नहीं है । विज्ञान प्रदर्शनी एक अवसर है जहां छात्र-छात्राओं की क्षमता एवं दक्षता का बेहतर मूल्यांकन होता है । उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में ज्ञान विज्ञान के प्रति अभिरूचि पैदा करना एवं अंधविश्वास से मुक्ति दिलाते हुए वैज्ञानिक चेतना का संचार करना है । साथ ही कार्यक्रम में आए राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त पूर्व प्रधानाचार्य राम जनम सिंह ने कहा की विज्ञान हमारे जीवन शैली को आसान बना दिया है । स्कूल में इस तरह के पहल बच्चों में वैज्ञानिक सोच, उत्साह और अनुसंधान की मानसिकता के दृष्टिकोण को विकसित करता है । वहीं विद्यालय के प्रबंधक सत्य प्रकाश सिंह ने कहा विद्यालय के विकास के लिए हर पहलुओं पर प्रबंधन द्वारा हमेशा ध्यान दिया जाता रहा है, ताकि बच्चों का सर्वांगिण विकास हो सके।

श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज का धूमधाम से मनाया गया 50वां स्थापना दिवस समारोह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज का 50 वां स्थापना दिवस बुलानाला परिसर के अपराजिता सभागार में धूमधाम से मनाया गया` कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री काशी अग्रवाल समाज के सभापति संतोष कुमार अग्रवाल 'हरे कृष्ण' नें माँ सरस्वती एवं महाराज अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना स्वागत गीत एवं कुलगीत की प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि नें अपने उद्बोधन में कहा कि श्री काशी अग्रवाल समाज नें महिला शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय की स्थापना 3 नवंबर 1973 को की थी इस पचास साल के सफर में महाविद्यालय को महिला शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वांचल का एक उत्कृष्ट संस्थान बनाने में समाज के संस्थापक भारत रत्न स्व. भगवान दास शिक्षा रत्न स्व.शिवप्रसाद गुप्त जी सहित सभी पूर्व पदाधिकारियों पूर्व प्रबंधक स्व. संदीप अग्रवाल एवं पूर्व प्राचार्य डॉ कृष्णा निगम का अभूतपूर्व एवं अविस्मरणीय योगदान रहा है। महाविद्यालय को मिली उपलब्धियों को बरकरार रखते हुए अब अग्रवाल समाज इस महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाने की योजनाओं पर कार्य करेगा एवं पूर्ण सहयोग करेगा` उक्त अवसर पर गृहविज्ञान एवं वाणिज्य की छात्राओं नें आकर्षक प्रदर्शनी भी लगायी गई थी जिसमें छात्राओं नें स्टाल पर अपने हाथों से बनाये उत्पाद एवं व्यंजन को प्रदर्शित किया एवं खरीददारी भी की अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्राओं नें गीत गजल एवं नृत्य का अद्भुत

प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में स्वागत एवं विषय प्रवर्तन प्राचार्य प्रोफेसर मिथिलेश सिंह संचालन डॉ आभा सक्सेना एवं धन्यवाद अधिष्ठाता प्रशासन डॉ आकाश तथा सभी के प्रति आभार प्रबंधक डॉ मधु अग्रवाल नें व्यक्त किया। उक्त अवसर पर समाज के अर्थ मंत्री गौरव अग्रवाल 'सीए' धर्मशाला मंत्री बृज कमल दास अग्रवाल अमिता अग्रवाल सहित महाविद्यालय के शिक्षक कर्मचारी एवं छात्राएँ उपस्थित रहें।

जिलाध्यक्ष डा. अवधनाथ पाल के अध्यक्षता में मासिक बैठक संपन्न

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शनिवार को निवर्तमान जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्यक्षता में मासिक बैठक संपन्न बैठक को सम्बोधित करते हुए डां अवधनाथ पाल ने कहा कि समाजवादी वोटर बढाना है भाजपा को चोट पहुचाना है भाजपा सरकार में समाजवादी विचारधारा के वोटरों को चिन्हित करने का काम कर रही हैं और आखिरी समय में उनका नाम काटने का काम करती हैं इसलिए समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर तक इस साजिश को समझना होगा और संतर्क रहकर अपने वोटों को बढाना है और उसकीं सुरक्षा भी आखिरी दिन तक करना होगा।कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान तिथियां निर्धारित किया गया है निर्धारित तिथियों पर समाजवादी पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ता नेता गांव में घर घर संम्पर्क कर वोटर लिस्ट से सत्यापन कर वोट बढाने का काम करेंगे और फर्जी वोट को कटवाने का काम करेंगे। कहा कि भाजपा सरकार का

काम नहीं फर्जी वोटों का बढाने एवं समाजवादी विचारधारा के वोटों को कटवाने का अंजाम बोलता है भाजपा सरकार ढऊअ को एक जूट देखकर परेशान और हताश हैं और किसी भी हद तक गुजर सकता हैं इसलिए वोट ही वो ताकत है जिससे ढऊअ विरोधी भाजपा सरकार को इस देश और प्रदेश से हटाकर देश में खुशहाली लाने का काम किया जा सकता हैं बैठक में मुख्य रूप से विधायक तूफानी सरोज, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजबहादुर यादव, राकेश मौर्या, प्रभान्नद यादव, श्याम बहादुर पाल राजेंद्र यादव, हिरालाल विश्कर्मा राहुल त्रिपाठी, श्रवण जयसवाल इर्शाद मंशूरी, राममूर्ति सरोज, अनवारुल गुड्डू, लाल मोहम्मद रायनी, मेवालाल गौतम, सोचनं राम विश्कर्मा, रामू मौर्या, सूर्य भान यादव, विरेन्द्र यादव, राम इकबाल यादव, रामजतन यादव, घनश्याम यादव राहुल यादव, उमाशंकर चौरसिया, अखिलेश यादव दिनेश फौजी, राजेश यादव, हरिचंद प्रभाक, अनपूर्णा देवंवशी, अनील दूबे, लक्ष्मी शंकर यादव अमित यादव बैठक का संचालन निवर्तमान महासचिव अखण्ड प्रताप यादव ने किया।

त्रिकुटा सेवा संस्थान द्वारा सेवापुरी, बड़ागांव, पिंडरा एवम चोलापुर जरूरतमंद बच्चों के संस्कार और शिक्षा हेतु चलाए जा रहे अभियान

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर त्रिकुटा सेवा संस्थान द्वारा वाराणसी जनपद के सेवापुरी, बड़ागांव, पिंडरा एवम चोलापुर ब्लाक के 40 गांवों में गरीब, निर्बल, वनवासी, जरूरतमंद बच्चो के संस्कार और शिक्षा हेतु चलाए जा रहे माधव शिक्षा संस्कार केंद्र के नाम से संचालित 40 चिल्ड्रेन लर्निंग सेंटर में से अबतक अपेक्षित 27 केंद्रों की खंडश : समीक्षा योजना बैठक वृहस्पतिवार दिनांक 2 नवंबर एवं आज शुक्रवार दिनांक 3 नवम्बर को क्रमशः बड़ागांव ब्लाक के हरेन्हु केंद्र एवं पिंडरा ब्लॉक के खलिशपुर केन्द्र पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की गई जिसमे

त्रिकुटा सेवा संस्थान द्वारा संचालित सभी 40 केंद्रो में से बीते कल एवं आज के दिन कुल अपेक्षित 27 केन्द्र के अनुदेशक, सहायक और अभिभावक के साथ समीक्षा और योजना बैठक में संस्था के सचिव हृदेश कुमार पाण्डेय एवम संस्था के कार्यक्रम समन्वयक धीरज सिंह और देवेंद्र यादव द्वारा बैठक में आपेक्षित सभी केंद्रो के संचालन और उसके सामाजिक प्रभाव पर केंद्रशः समीक्षा के साथ विगत माह अगस्त, सितम्बर एवं अक्टूबर के कार्यों की समीक्षा और वर्तमान माह नवम्बर में संस्था द्वारा केंद्रो के माध्यम से चलाए जा रहे माधव शिक्षा संस्कार केंद्र और उससे संबंधित अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाकर आगामी माह के लिए कार्य योजना प्रस्तुत कर समय सीमा के अंदर संस्था के उद्देश्य और दिशा निदेर्शों के अनुसार पूरा करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए फिर आज बैठक में संस्था के केंद्रो का संचालन कर रहे सभी सहयोगियों को संस्था द्वारा निर्धारित मानधन एवं पंजीकृत बच्चों हेतु आवश्यक पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया तथा बैठक में संस्था और केंद्र के संचालक मंडल के सदस्यों ने केंद्रो के सहयोगियों के साथ सहभोज किया जिसमे उपस्थित केंद्र अनुदेशक साधना पाण्डेय जी , अंजली दुबे जी , बबली सिंह जी , वर्षा तिवारी जी , रीना पांडेय जी , कविता चौबे जी , चंदा राजभर जी , अविनाश मिश्रा जी , रितिका जैसवाल जी प्रीति यादव जी , नीमा पांडे जी और केंद्र सहायक पूनम देवी जी , कनक वर्मा जी , सरोजा देवी जी , रागिनी ,सीमा देवी जी और केंद्र अभिभावक आशीष कुमार पांडे जी , अरविंद सिंह जी , हेमंत मिश्रा जी, सुनील यादव जी की सहभागिता रही।

धूमधाम से मनाया गया हजरत लालशाह रहमतुल्ला अलेह का कदीमी उर्स मुबारक

प्रखर जौनपुर। शहर के शाही पुल के नजदीक मोहल्ला केरारवीर के पास स्थित लाल मस्जिद में हजरत लाल शाह रहमतुल्ला अलैह का कदीमी उर्स मुबारक बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, सुबह में सबसे पहले कुरान ख्वानी के बाद चादर पोसी हुई उसके बाद एक कार्यक्रम जश्ने ईद मिलाद उल नबी का भी संपन्न हुआ,मौलाना हनीफ अल कादरी ने बताया कि ऐसे औलिया अंबिया की मजारों से आज कौम को दर्श की जरूरत है क्योंकि अब कौम को राह दिखाने को कोई पैगंबर नहीं आएगा इसलिए अल्लाह ने ऑलियाओं के जरिए कौम को वक्त वक्त पर राह दिखाने का काम किया है,इस मौके पर नसीम रजा ने भी अपनी तकरीर में बताया कि जौनपुर के ऐतिहासिक बने हुए शाही पुल पर जब काम बार-बार रुक जाता था तो हजरत लाल शाह ने अपनी दुआ के बदौलत इसकी नीव रखी थी। उक्त कार्यक्रम इंतजामिया कमेटी लाल मस्जिद के जेरे इंतजाम किया गया। उर्स मुबारक के मौके पर जामी हबीब खान एडवोकेट, रियाजुल हक, ताज मोहम्मद, अजहरूद्दीन अरशद कुरैशी, इमरान बंटी कमालुद्दीन अंसारी, जावेद सिद्दीकी गुड्डू, अब्दुल कलाम, आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

बनारस जिले में पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर और ठेकेदारों का क्या तालमेल है चोलापुर के दानगंज भदवा मार्ग पर देखने को मिला

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर वाराणसी में दानगंज से भदवा तक चार किलोमीटर का सड़क है। लेकिन चार किलोमीटर सड़क में रसड़ा मोड़ से कोइलो तक 1700 मीटर का सड़क एकदम फ्रेश और अच्छा दिख रहा था उस सड़क को ही इंजीनियर द्वारा

चिन्हित किया गया रिपेयरिंग के लिए कुछ सड़क भदवा की तरफ और कुछ सड़क दानगंज की तरफ ज्यादा गड्ढा होने की वजह से उसे छोड़ दिया गया पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर द्वारा और ठेकेदारों से पूछे जाने पर बताया गया है कि केवल 1700 मिटार ही सड़क रिपेयरिंग के लिए पास किया गया है। जो सड़क बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है उसे छोड़े जाने की वजह से ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है।

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्दे नजर प्राथमिक विद्यालयों के बुनियादी सुविधाओं का डीएम व एसपी के द्वारा किया गया निरीक्षण

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेंन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता द्वारा संयुक्त रुप से आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत थाना मेंहदावल क्षेत्रान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय कुसम्हा व पूर्व माध्यमिक विद्यालय अछियाँ का भ्रमण कर मूलभूत सुविधाओं बिजली, शुद्ध पेयजल, शौचालय, पर्याप्त साफ-सफाई इत्यादि की जानकारी ली गयी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के द्वारा प्राथमिक विद्यालय कुसम्हा में बच्चों को पढ़ाया भी गया।

समाधान दिवस का हुआ आयोजन123 मामलों में मात्र 8 का हुआ निस्तारण

प्रखर पूर्वांचल गोरखपुर। गोला तहसील सभागार में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन ए डी एम प्रशासन पुरुषोत्तम दास गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समाधान दिवस अधिकारी रोहित कुमार मौर्य की तहसीलदार गोला बृजमोहन शुक्लाव नायब तहसीलदार राकेश शुक्ला प्रकाश सिंह ,जयप्रकाश वी डी ओ गोला वीडीओ उरुवा ने समाधान दिवस पर आने वाले फरियादियो की पीड़ा को बिधिवत सुना और निस्तारण करने का भरपूर प्रयास किया। समाधान दिवस पर फरियादियो की भीड़ अधिक रही । । इस समाधान दिवस पर अधिकांश मामले राजस्व व खाद्यान से सम्बंधित रहे।पुलिस बिकास बिद्युत पेंशन आदि के भी मामले आये । समाधान दिवस पर कुल 123 मामले आये ।जिसमे मात्र 8 मामलों का निस्तारण हुआ। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक रमेश पांडेय फूलचंद एस डी ओ राजेश कुमार विजय शंकर ,कृष्णकुमार यादव डा सितारा सिंह अनिल कुमार सिंह संजय कुमार अनिल कुमार गुप्ता पवन कुमार सहित अन्य विभागों से लोग उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक राम राज्याभिषेक कार्यक्रम संपन्न

प्रखर मरदह गाजीपुर। प्राचीन रामलीला कमेटी मरदह कुटी के द्वारा ऐतिहासिक राम राज्याभिषेक श्रद्धा,भक्ति व उल्लास तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम शिव-पार्वती,राधा-कृष्ण, नन्दी, हनुमान,काली सहित महिषासुर वध की झांकी के साथ सम्पन्न हुआ।श्री राम का राज्याभिषेक होते ही प्रभु श्री राम, माता सीता व अन्य भाईयों के साथ हनुमान जी के जयकारे से पूरा वातावरण भक्ति मय हो उठा।प्रभु श्रीराम के 14 वर्ष वनवास की अवधि पूरी कर माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, जामवंत, विभीषण, केवट आदि बनवासियों व वानर, भालुओं संग लौटे इस उपलक्ष्य में अयोध्या लौटने पर अयोध्या को भव्य रुप से सजाया संवारा व अयोध्या रूपी पूरे रामलीला प्रांगण को सजाया गया था। राम राज्याभिषेक से पूर्व पूरे विधि विधान के साथ उनके कुल पुरोहित द्वारा चारों भाईयों व माता जानकी तथा भक्त हनुमानजी का विधिवत आरती उतारकर पूजन अर्चन किया गया। राम राज्याभिषेक के उपरांत झांकी के मनोहर कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में सुभासपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नेत्री व पूर्व प्रधान उमरावती सिंह एवं प्रखर समाज सेवी नेता पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनुराग सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।ऐतिहासिक राम राज्याभिषेक का कार्यक्रम देखने के लिए शाम से ही महिलाओं,बच्चों व पुरुषों की भीड़ उमड़ पड़ी।थोड़ी देर में राजगद्दी का मैदान खचाखच भर गया।दर्शक काफी संख्या में मौजूद रहकर राज्याभिषेक के कार्यक्रम का आनन्द अर्ध रात्रि तक उठाया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं